www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
31 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 38 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

3 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे शिवकुमार !

● मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल राहुल-प्रियंका रहेंगे मौजूद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चल रही सियासी उथल-पुथल के बीच बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार 3 जून यानी बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। इसके बाद 18 जून के बाद कैबिनेट का विस्तार किया जा सकता है। राज्यसभा चुनाव होने के बाद कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार की संभावना है। राज्य सरकार में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के बीच पार्टी नेतृत्व

शनिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल की एक महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार की कैबिनेट में 50 फीसदी नए चेहरे हो कते हैं कर्नाटक विधान परिषद के चीफ विप सलीम अहमद ने शुक्रवार को कहा कि कैबिनेट के गठन, क्षेत्रीय एवं सामाजिक (जातीय) प्रतिनिधित्व और संभावित उप-मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति के संबंध में अंतिम निर्णय सीएलपी बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान की ओर से लिया जाएगा। **कम नहीं होगा सिद्धारमैया का दबदबा**- राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधायकों, पिछड़ा वर्ग समूहों और जमीनी कार्यकर्ताओं पर रमैया की मजबूत पकड़ सत्ता के औपचारिक हस्तांतरण के बाद भी राज्य कांग्रेस की दिशा तय करती रहेगी।

भारत ने बांग्लादेश को सौंपे 2680 लोगों के नाम

● सख्ती का डर,उलटे पांव लौट रहे अवैध घुसपैठिए

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को लेकर सरकार ने अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश में गैर-कानूनी तरीके से प्रवेश करने वाले और रह रहे सभी विदेशियों के साथ कानून के दायरे में रहकर निपटा जाएगा। नई दिल्ली ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बांग्लादेश को 2,680 से अधिक लोगों की सूची सौंपी है, ताकि उनकी राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि हो सके और उन्हें वापस उनके देश भेजा

जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान अवैध घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया पर विस्तार से बात की। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2,680 से ज्यादा मामले बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंपे हैं। प्रवक्ता ने बताया, जैसे ही इन लोगों की राष्ट्रीयता का सत्यापन (वेरिफिकेशन) पूरा हो जाएगा, हम इन बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट करने की स्थिति में होंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इनमें से कई मामलों में यह सत्यापन पिछले पांच साल या उससे भी अधिक समय से अटका हुआ है।

ईरान को 28 लाख करोड़ रीकंस्ट्रक्शन फंड मिलेगा

● अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी,अंतिम समझौते पर बात जारी ● ट्रम्प बोले-परमाणु कार्यक्रम पर सहमति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते में ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया है। उनका कहना है कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक सहायता देने का वादा किया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके पास मौजूद संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम को खत्म कर दिया जाएगा। हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर बातचीत नहीं हुई है।

ईरान बोला-अमेरिका की बातों पर भरोसा नहीं

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान सिर्फ कार्रवाई पर भरोसा करता है। जब तक अमेरिका कदम नहीं उठाएगा, ईरान भी कोई रियायत नहीं देगा। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 24 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी गई। ईरान के मुताबिक समुद्री ट्रैफिक को नियंत्रित तरीके से चलाया जा रहा है। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लोगों को घर खाली करने को कहा। सेना का दावा है कि वहां हिजबुल्लाह के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी चल रही है।

ट्रम्प बोले-ईरान अब कोई परमाणु बम नहीं बनाएगा

ट्रम्प ने कहा कि संभावित समझौते में ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा और होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल नहीं लगेगा। अमेरिका ने कहा कि अगर ओमान ने ईरान की टोल वसूली व्यवस्था का साथ दिया, तो शामिल देशों, कंपनियों और लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार

● पासिंग आउट परेड में आर्मी चीफ ने कहा-अभी केवल संघर्ष विराम ● कहा-हमने बेंचमार्क बनाया कि भारत उकसावे पर कैसा जवाब देता है

पुणे/नईदिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल संघर्ष विराम जैसी स्थिति है। जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। कैडेट्स अपने करियर की शुरुआत से ही इस बेंचमार्क को बनाए रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए।

सेना प्रमुख के नए अफसरों को मैसेज

मॉर्डन वॉरफेयर पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर एरिया में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। जीत हमेशा दिमाग में होती है। यह जमीन पर नहीं होती। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी सफल होता है जब पूरा देश एक साथ आए और इन्फॉर्मेशन देने वाले लोगों पर भरोसा करे। जिस देश के नागरिक और संस्थाएं एक-दूसरे पर विश्वास करती हैं, वह देश हमेशा मजबूत स्थिति में रहता है। जब युद्ध की गति बहुत तेज हो रही हो, तो संसाधनों के दायरे में रहकर एडीशनल हेल्प की जरूरत पड़ती है, ताकि तेजी से फैसले ले सकें। बहुत सारी तकनीकों और संसाधनों को संभालने के लिए, ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इसमें बहुत अहम रोल निभाता है। भविष्य की लड़ाइयां केवल पारंपरिक तरीके से नहीं लड़ी जाएंगी, बल्कि ये मल्टी डोमेन वॉरफेयर होगा।

अगले 2-3 साल में शुरू हो सकता है सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि थिएटराइजेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में सेना, नौसेना और वायुसेना चीफ अपनी-अपनी सेनाओं की तैयारी और संसाधनों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि थिएटर कमांडर जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन देखेंगे। सेना प्रमुख ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है।

● **डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन के तहत खुद को बदल रही है सेना**- जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना युद्ध के बदलते रूप को समझते हुए खुद को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। सेना डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन पहल के तहत आधुनिक और तकनीक-सक्षम बल में बदलने की दिशा में काम कर रही है। मौजूदा संसाधनों से ही काम होगा।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत , तीन घायल

चमोली। शनिवार सुबह करीब चार बजे लोहाजंग सड़क पर ल्वाणी के पास एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इसमें बांक गांव के एक परिवार के तीन लोगों की अकाल मौत हो गई। जबकि एक छह वर्षीय बच्चा समेत तीन अन्य घायल हो गए। सभी लोग गांव में अपने परिजन की मौत पर अंत्येष्टि में शामिल होने देहरादून से गांव आ रहे थे। विकासखंड के बांक गांव के बुजुर्ग भजन सिंह की बीमारी का उपचार देहरादून में चल रहा था। गांव के खुशाल सिंह ने बताया कि शुक्रवार को शाम को भजन सिंह का निधन हो गया। उनके परिवारजन भजन का शव एंबुलेंस में और खुद दो कारों में सवार होकर बांक गांव के लिए आ रहे थे। शव लेकर आ रही एंबुलेंस देर रात एक बजे गांव पहुंचा, लेकिन ऋषिकेश में लगे जाम के कारण साथ में चल रहे बलबीर सिंह शनिवार को छह लोगों के साथ करीब चार बजे सुबह ल्वाणी के पास पहुंचे, यहां उनकी कार अनियंत्रित होकर करीब चार सौ मीटर खाई में गिरी।

कार अनियंत्रित हो कर खाई में गिरी, हादसे में दो लोगों की हुई मौत और तीन घायल

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा हेलगुगाड़ से लगभग 200 मीटर आगे गंगनानी की ओर हुआ, जब गंगोत्री से उत्तरकाशी आ रही एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 80 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, कार में चालक सहित कुल पांच लोग सवार थे। इस भीषण दुर्घटना में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत तीन एम्बुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। मृतकों के शवों को भी खाई से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है, और पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

तीनों घायलों का उपचार के बाद एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया

जिसमें बांक गांव के एक ही परिवार के बलवीर सिंह पुत्र नारायण सिंह (50), शांति देवी पत्नी बलवीर सिंह (38), आशीष पुत्र बलवीर सिंह (19) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं इसी गांव के कविता देवी पत्नी खुशाल सिंह (28), रोशनी पुत्री लक्ष्मण सिंह (19), मयंक पुत्र खुशाल सिंह (6) पर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस-प्रशासन ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को एंबुलेंस व प्राइवेट वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवाल पहुंचाया। यहां तीनों घायलों का उपचार के बाद एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया।

पहले नीट फिर सीबीएसई, एसएससी और अब सीयूईटी

● राहुल गांधी बोले-अब तक एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर एक बार फिर हमला बोला। यह हमला

तब हुआ जब खबरें आईं कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण देश भर के कई केंद्रों पर सीयूईटी-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई या उसमें देरी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एससी और अब सीयूईटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल रही है। उन्होंने लिखा-यह सरकार पूरी तरह फेल है।

राजीव कृष्ण ही होंगे यूपी के परमानेंट डीजीपी

● रेणुका मिश्रा, पीयूष आनंद को पीछे छोड़ा; 4 साल इंतजार के बाद नाम फाइनल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी को 4 साल के इंतजार के बाद परमानेंट (स्थाई) पुलिस महानिदेशक मिलने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण ही यूपी के नए परमानेंट डीजीपी होंगे। राज्य सरकार जल्द ही इसका आदेश जारी कर सकती है। यूपीएससी की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक, वह कम से कम 2 साल तक यूपी के डीजीपी रहेंगे। राजीव कृष्ण 1 जून, 2025 से कार्यवाहक डीजीपी की कमान संभाल रहे हैं। दरअसल, यूपी सरकार ने परमानेंट डीजीपी को लेकर संघ लोकसेवा आयोग को 19 आईपीएस के नाम भेजे थे। इसे लेकर 26 मई को दिल्ली में आयोग की हाईलेवल बैठक हुई। इसमें रेणुका मिश्रा, पीयूष आनंद आदि नाम थे।

राजीव कृष्ण का मजबूत बैक ग्राउंड है

राजीव कृष्ण के परिवार में दो पीढ़ियों से सिविल सेवाओं (आईपीएस, आईआरएस) और राजनीति में प्रभावशाली उपस्थिति है। पत्नी मीनाक्षी सिंह नोएडा में डिप्टी सेक्रेटरी हैं। सरोजनीनगर से विधायक राजेश्वर सिंह इनके साले हैं। राजेश्वर यूपी पुलिस के 1996 बैच के अफसर रहे हैं। बाद में वे प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन निदेशालय चले गए और उसी कॉडर में मर्ज हो गए। 2022 के चुनाव से ठीक पहले राजेश्वर सिंह ने टिकट लेकर राजनीति में कदम रखा। वे मौजूदा समय में लखनऊ की सरोजनीनगर सीट से विधायक हैं।

कम से कम 2 साल रहेंगे परमानेंट डीजीपी

यूपीएससी की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक, स्थाई डीजीपी बनने के बाद राजीव कृष्ण का कार्यकाल कम से कम 2 साल का होगा। हालांकि, उनका मूल सेवाकाल जून 2029 तक है। अगर वह अगले 2 साल स्थाई डीजीपी रहते हैं, तो एक साल के कार्यवाहक कार्यकाल को जोड़कर वे कुल 3 साल तक इस सबसे बड़े पद पर रहने वाले इकलौते अफसर बन जाएंगे।

● कॉकरोच जनता पार्टी पर आ गई आरएसएस की प्रतिक्रिया

लोकतंत्र में हर आवाज के लिए जगह,चिंता की बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों तहलका मचा रहे सैटायरिकल ग्रुप कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर चल रहे विवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी बयान सामने आया है। आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुनील आंबेकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक समाज में अलग-अलग राय और सार्वजनिक चर्चाएं होना स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसे चिंता या झटके के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आपको बता दें कि सीजेपी का सोशल मीडिया पर काफी क्रेज है। इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या भारतीय जनता पार्टी सहित कई प्रमुख राजनीतिक दलों से भी आगे निकल गई है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि भारतीय लोकतंत्र में सभी तरह की आवाजों और भावनाओं को समाहित करने की पूरी क्षमता है। सुनील आंबेकर ने कहा, हम एक जागरुक समाज हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हैं। हमारे पास पारदर्शी चुनाव, स्वतंत्र मीडिया और अब सोशल मीडिया भी है। यहां रोज खुली चर्चाएं होती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि लोकतंत्र में किसी भी तरह की चर्चा या अलग राय व्यक्त किए जाने से हैरान नहीं होना चाहिए। इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है जब

सीजेपी को लेकर राजनीतिक गलियारों में विवाद छिड़ा हुआ है। भाजपा के कुछ नेताओं ने इस ग्रुप के इरादों पर सवाल उठाए हैं।

सीजेपी को मिल रहा है भारी समर्थन

सोशल मीडिया पर इस अनोखे ट्रेंड को लेकर राजनीतिक और मनोरंजन जगत से भी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद और अखिलेश यादव समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं ने कॉकरोच जनता पार्टी को अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा, बॉलीवुड की कई हस्तियों और स्टैंड-अप कॉमेडियन्स ने भी खुलकर इस ग्रुप के पक्ष में अपनी आवाज उठाई है।

युवाओं को देश पर पूरा भरोसा

जब आंबेकर से पूछा गया कि क्या आरएसएस को इस तरह के मुद्दों पर हस्तक्षेप करना चाहिए, तो उन्होंने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं, राजनीतिक दल और मीडिया इन मामलों से खुद निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। आंबेकर ने कहा, राजनीतिक दल सक्षम हैं और हमारी कोई भी संस्था कमजोर नहीं है। हमारा सिस्टम इन मामलों को संभालने की ताकत रखता है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि संघ को ऐसे मामलों में तुरंत कूदने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं यानी जेन-जी के मन में बहुत उम्मीदें हैं और उन्हें भारत पर पूरा भरोसा है। आरएसएस भी देश की युवा शक्ति पर पूरा विश्वास रखता है।

आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण की आधारशिला : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, देहरादून में ह्वविकसित भारत 2047 के निर्माण में उच्च शिक्षा का महत्वह्व विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं, जो भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रबुद्धजनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और अनुभव को विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली के प्राचीन गौरव को पुर्नस्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार, अनुसंधान एवं व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा देने के साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को केवल शिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के उत्कृष्ट केंद्रों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विश्व का प्रमुख स्टार्टअप हब बन रहा है तथा डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड शिक्षा, ज्ञान और अध्यात्म की समृद्ध परंपरा का केंद्र रहा है। राज्य सरकार शिक्षा में नवाचार, डिजिटल लर्निंग और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

घनसाली का निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर स्वास्थ्य विभाग ने किया सील

नई टिहरी] घनसाली स्थित एक निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर में अनियमितताएं पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। विभागीय जांच में सेंटर का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिलने के साथ ही वहां तैनात रेडियोलॉजिस्ट की डिग्री भी मानक के अनुरूप नही पाई गई। सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने बताया कि घनसाली स्थित उत्तरांचल अल्ट्रासाउंड सेंटर के संबंध में विभाग को पिछले काफी समय से शिकायतें मिल रही थी। शिकायतों के आधार पर विभागीय टीम ने कुछ दिन पहले सेंटर का निरीक्षण कर जांच–पड़ताल की थी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि सेंटर का संचालन निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप नही किया जा रहा। सेंटर में तैनात रेडियोलॉजिस्ट की शैक्षणिक योग्यता और डिग्री भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नही पाई गई। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद शनिवार को सेंटर को सील कर दिया। बताया कि एसीएमओ डॉ. चंदन मिश्रा के नेतृत्व में विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर उत्तरांचल अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील करने की कार्रवाई पूरी की है।

राहुल गांधी की सभा को लेकर कौसानी में उत्साह

बागेश्वर। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अल्मोड़ा में प्रस्तावित रैली को लेकर जिले के कांग्रेसियों में उत्साह है। कार्यक्रम को सफल बनाने को कौसानी में पूर्व सीएम हरीश रावत ने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह रैली ऐतिहासिक होगी। जिला मुख्यालय में भी आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। कौसानी में हुए कार्यक्र में पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि चार जून को अल्मोड़ा में राहुल गांधी की सभा होगी। सोबन सिंह जीना विवि के मैदान को होने वाली रैली की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।बागेश्वर से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता रैली में भाग लेंगे। कार्यकर्ताओं को अभी से जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस मौके पर पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, पूर्व विधायक ललित फर्शवान, हरीश सेठानी, जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट ,ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र बिष्ट,पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोपालदत्त भट्ट, राजेंद्र टंगड़िया, परवीन कोरंगा, प्रकाश कोहली, प्रकाश आर्य, लक्ष्मण कुमार, गिरीश तिवारी, एसपी सिंह, टिका कुमार, बबलू नेगी, महिंदर रावत आदि मौजूद रहे। इधर जिला मुख्यालय में पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में रैली को लेकर चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

छावनी क्षेत्र में पानी संकट, बाल्टियां लेकर भटक रहे लोग

देहरादून। लंढौर छावनी क्षेत्र में विगत पांच दिनों से स्थानीय निवासी पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे हैं। लोग बाल्टियां लेकर पानी के लिए भटक रहे हैं लेकिन जल संस्थान की कानों में जूं नहीं रेंग रही हैं। छावनी क्षेत्र में विगत पांच दिनों से स्थानीय जनता पानी के लिए तरस रही है, लेकिन लगातार अधिकारियों को सूचित करने पर भी विभागीय अधिकारी जनता पर तरस नहीं खा रहे। पहले तो कहा कि कोल्टी पंप में बिजली नहीं है, जिस कारण पानी नहीं आ रहा। लोगों के घरों में पानी नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। बाजार से पानी खरीद कर लाना पड़ रहा है। घर के अन्य कार्यों के लिए तीन से चार किमी दूर टिहरी रोड वुड स्टाक स्कूल के समीप व टिहरी बाई पास पर फर क्लब में लगे हैंडपंप से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। जल संस्थान की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि अगर वास्तव में विद्युत लाइन नहीं बनी तो टैंकर से पानी दिया जा सकता था। मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई लेकिन वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। लोगों ने मंत्री गणेश जोशी को फोन पर समस्या बतायी तो उन्होंने उच्चाधिकारियों से बात कर समस्या के समाधान की बात कही। अधिशासी अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि गुरुवार को आंधी तूफान के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी जिसके चलते पंप नहीं चल पाए। इससे पानी की कमी हो गई थी। बताया कि शनिवार को जहां–जहां भी पानी को लेकर सूचना मिली वहां टैंकरों से पानी पहुंचा दिया गया है।

मसूरी में बारिश के साथ आंधी तूफान से जनजीवन प्रभावित

देहरादून। मसूरी में तेज बारिश के साथ ही आंधी तूफान ने पर्यटकों और लोगों की चिंता बढ़ा दी। बारिश व अंधड़ के कारण पर्यटक होटल की ओर लौट गए।शनिवार को पर्यटन नगरी मसूरी में सुबह से लेकर दोपहर 2 बजे तक चटक धूप खिली रही। अपराह्न 3 बजे करीब मौसम ने करवट ली। आसमान में काले बादल छा गए। शहर में बारिश के साथ ही आंधी तूफान चलना शुरू हो गया जिसके चलते जनजीवन प्रभावित हो गया। इस दौरान माल रोड पर्यटकों से गुलजार थी लेकिन बारिश व आंधी तूफान के चलने से अधिकांश पर्यटक होटलों की ओर लौट गए। इससे माल रोड पर बहुत कम पर्यटक नजर आए। बारिश के बाद गर्मी से राहत मिल गई। इस दौरान देश–विदेश से मसूरी घूमने आए पर्यटक यहां के मौसम का जमकर लुत्फ उठाते हुए नजर आए। हरियाणा से मसूरी घूमने पहुंचीं हरजीत कौर ने बताया कि वह 29 मईको मसूरी पहुंचे तब यहां पर काफी गर्मी महसूस हो रही थी। शनिवार को दोपहर में मौसम बदलने के बाद यहां पर काफी ठंडा हो गया। मौसम काफी सुहाना हो गया।

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर 42 वाहनों के चालान और 10 सीज

देहरादून। परिवहन विभाग की टीम ने शुक्रवार देर रात जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 42 वाहनों के चालान किए गए। जबकि 10 वाहन सीज किए गए। एआरटीओ देहरादून, एआरटीओ विकासनगर और इंटरसेप्टर दल ने संयुक्त रूप से आईएसबीटी, बल्लूपुर चौराहा, ट्रांसपोर्टनगर और आशारोड़ी में वाहनों को रोककर चेकिंग की। कार्रवाई में सीज किए सीज किए गए वाहनों में बिना फिटनेस के दौड़ रहे वाहन, शराब पीकर गाड़ी चला रहे चालक और ओवरलोड गाड़ियां शामिल थीं। इसके साथ ही ऑनलाइन ऐप (ब्ला–ब्ला व रेपिडो) के जरिए नियमों के खिलाफ प्राइवेट वाहनों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर भी कार्रवाई की गई।आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभाग 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रहा है। शराब पीकर गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग और बिना फिटनेस के वाहन सड़कों पर उतारना दूसरों की जान जोखिम में डालना है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म में मुकदमा दर्ज

बागेश्वर। कपकोट थाना पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत नाबालिग से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओ में मुकदमा दर्ज किया है। बाल कल्याण समिति ने पीड़िता की काउंसिलिंग की है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि 29 मई को एक व्यक्ति थाने में पहुंचा। उसने एक प्रार्थना पत्र में कहा कि उनकी 17 वर्षीय नाबलिक पुत्री को 21 वर्षीय उमेश सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी गांव कर्मी 27 मई को बहलाकर ले गया। 29 मई को उसकी पुत्री को बाल कल्याण समिति बागेश्वर ने काउंसलिंग के लिए बुलाया था।काउंसलिंग में बेटी ने बताया कि उक्त व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी उमेश सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नगरकोटी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। जल्द ही अरोपी सलाखों के पीछे होगा।

दून पुलिस ने वाहन चोरी के आरोप में दो को किया गिरफ्तार

देहरादून। क्लेमेंट टाउन थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई बाइक भी बरामद की है। टर्नर रोड निवासी आयुष सैनी की मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की थी।

प्रथम आईओएल खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन

देहरादून। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) की प्रथम खेलकूद प्रतियोगिता 2025–26 का समापन शनिवार को रायपुर स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री स्टेडियम में समारोह पूर्वक किया गया। समरोह के मुख्य अतिथि आई ओ एल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तुषार त्रिपाठी थे। समारोह में विभिन्न खेलों के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों तथा टीमों को ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड एक रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डिफेंस पीएसयू) है, जिसके अंतर्गत ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री (ओएलएफ), आयुध निर्माणी देहरादून (ओएफडी) और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री चंडीगढ़ कार्यरत हैं। संगठन का मुख्यालय रायपुर, देहरादून में स्थित है। आईओएल भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों और आंतरिक सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक दृश्य यंत्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2021 में पूर्व आयुध निर्माणी बोर्ड के पुनर्गठन के बाद गठित सात नए रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में आईओएल भी शामिल है। समापन समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तुषार त्रिपाठी ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का

आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और स्वस्थ शरीर के साथ ही स्वस्थ मन का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जिस खेल भावना, साहस, धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन असली उद्देश्य खेल की भावना और उसके प्रत्येक पहलू को पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल न केवल व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। साथ ही खेल हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभदायक हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया।

पेट्रोल–डीजल का पर्याप्त स्टॉक, पैनिक होने की जरूरत नहीं : डीएसओ

देहरादून। जिले में पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर उड़ रही अफवाहों पर प्रशासन ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। जिला पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल ने कहा कि जिले में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही स्टेशनों पर वाहनों की अनावश्यक भीड़ लगाकर ईंधन का स्टॉक करें। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर विभाग की टीमें मुस्तैद हैं और तेल कंपनियों से प्रतिदिन के स्टॉक की जानकारी ली जा रही है। 29 मई की स्थिति के अनुसार, जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर कुल 2526 किलोलीटर पेट्रोल और 2074 किलोलीटर डीजल का सुरक्षित भंडार मौजूद है। बताया कि देहरादून जिले में विभिन्न तेल कंपनियों के कुल 167 पेट्रोल–डीजल पंप संचालित हैं। इनमें इंडियन ऑयल के 72, भारत पेट्रोलियम के 34, हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 41, नायरा के 10 और रिलायंस के 18 पेट्रोल पंप शामिल हैं। इन सभी पंपों पर तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए कंपनियों के उच्च अधिकारियों से लगातार समन्वय बनाया जा रहा है। सभी डीलरों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने साफ किया है कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

तिलाड़ी कांड के शहीदों को नमन कर किया याद

उत्तरकाशी। तिलाड़ी शहीद दिवस के अवसर पर शनिवार को तिलाड़ी स्थित शहीद स्मारक पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और क्षेत्रवासियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान रवांई–जौनपुर क्षेत्र के उन अमर सेनानियों को याद किया गया जिन्होंने अपने हक–हकूकों और जनाधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक तिलाड़ी कांड में प्राणों की आहुति दी थी। नगर पालिका परिषद बड़कोट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं पत्रकारिता दिवस पर क्षेत्र के पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, ओबीसी आयोग के उपाध्यक्ष श्याम डोभाल, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि किसी भी विवाद या समस्या के समाधान के लिए संवाद सबसे प्रभावी माध्यम है। संवादहीनता और आपसी तालमेल की कमी ही कई बार जनांदोलनों का कारण बनती है। विधायक संजय डोभाल ने कहा कि तिलाड़ी कांड के शहीदों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। पालिकाध्यक्ष विनोद डोभाल ने कहा कि तिलाड़ी शहीद स्थल क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए वृहद स्तर पर कार्य योजना तैयार की जा रही है। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जशोदा रणा, विशालमणि रतूड़ी, एसएचओ सुभाष चंद्र, मुकेश टम्टा आदि उपस्थित रहे।

मॉक ड्रिल से जांची आपदा प्रबंधन की तैयारियां

चमोली। एनटीपीसी की विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना तपोवन में आपदा प्रबंधन और आपातकालीन तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने प्रतिभाग किया। परियोजना के बैराज स्थल और टनल क्षेत्र में मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। इसमें सुराईथोटा में बादल फटने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। जल स्तर में अचानक वृद्धि होने से ऑटोमेटेड फ्लड वार्निंग सिस्टम सक्रिय हो गया। इसके दौरान अभ्यास में सीआईएसएफ के समन्वय से भारतीय सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन सेवा, आईबी, बीआरओ, जिला प्रशासन व अन्य एजेंसियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान एनटीपीसी तपोवन के कार्यकारी निदेशक व परियोजना प्रमुख अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में हमें अपने दायित्वों की सटीक जानकारी होनी चाहिए जिससे कम से कम समय में राहत व बचाव कार्य को पूरा किया जा सके।

बहुउद्देशीय शिविर में अधिकांश शिकायतों का मौके पर निस्तारण

अल्मोड़ा। शनिवार को विकासखंड सल्ट के राजकीय इंटर कॉलेज खुमाड़ में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष नवीन वर्मा ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की और विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं तथा सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। शिविर के दौरान कुल 16 शिकायतें और समस्याएं दर्ज की गईं। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर चाय विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष महेश्वर सिंह मेहरा, ब्लॉक प्रमुख सल्ट कंचन रावत, उपजिलाधिकारी सल्ट रिंकू बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में रक्त आधान की नवीन गाइडलाइन पर सीएमई आयोजित

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के ब्लड सेंटर की ओर से शनिवार को 'ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस एंड गाइडलाइन्स' विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रक्त आधान से जुड़ी नवीन तकनीकों, मानकों और चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। संस्थान के एमईयू हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएसजे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट रहे। उन्होंने रक्त आधान को आधुनिक चिकित्सा का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए इसके सुरक्षित और वैज्ञानिक उपयोग पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. एच.सी. गडकोटी ने ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। संस्थान के प्राचार्य डॉ. चंद्र प्रकाश भैसोड़ा ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों और

मेडिकल छात्रों को नवीनतम वैश्विक मानकों से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में एम्स ऋषिकेश के डॉ. आशीष जैन ने रक्त के तर्कसंगत उपयोग, एम्स नई दिल्ली के डॉ. राहुल चौरसिया ने रक्त आधान की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा के डॉ. आशीष ने रक्त आधान के दौरान होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के प्रबंधन तथा डॉ. समायरा ने हीमोलिटिक एनीमिया में रक्त आधान की भूमिका पर व्याख्यान दिया। मेडिकल सोशल वेलफेयर अधिकारी हेम बहुगुणा ने स्वैच्छिक रक्तदान के मनोसामाजिक लाभ और भारतीय संस्कृति में दान के महत्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम की आयोजन अध्यक्षता डॉ. अंकित कौशिक ने की, जबकि आयोजन सचिव की जिम्मेदारी डॉ. आशीष जैन ने निभाई।

केदारनाथ यात्रा में स्थानीय महिलाओं को मिला रोजगार

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसाद उपलब्ध कराने और स्थानीय लोगों की आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामोत्थान परियोजना ने नई पहल शुरू की है। परियोजना के तहत स्थानीय उद्यम केदारेश्वर एंटरप्राइजेज के साथ अनुबंध किया गया है। रीप परियोजना की ओर से उद्यम को पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसका उद्देश्य प्रसाद व्यवस्था को मजबूत करने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है। इस पहल से जय स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी जोड़ा गया है। महिलाएं प्रसाद की पैकेजिंग का कार्य कर रही हैं जिससे उन्हें नियमित रोजगार और अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। केदारेश्वर एंटरप्राइजेज की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पंचमेवा, ड्राई फ्रूट्स और श्री केदारनाथ मंदिर के स्मृति चिन्ह आकर्षक व पर्यावरण अनुकूल पैकेजिंग में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद मिलने के साथ स्थानीय उत्पादों को भी पहचान मिल रही है। परियोजना से जुड़ी ज्योत्सना ने बताया कि इस पहल से स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिलने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है।

कॉम्बैट चकल्स में दिखी फौजी जिंदगी की मुस्कुराती तस्वीर

देहरादून। सेना के जीवन के हल्के–फुल्के, मानवीय और हास्यपूर्ण पक्ष को सामने लाने वाली पुस्तक ह्यकॉम्बैट चकल्स : द लाइटर साइड ऑफ लाइफ इन यूनिफॉर्मह्ल का शनिवार को दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, साहित्य प्रेमियों और पाठकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पुस्तक का लोकार्पण पूर्व मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डॉ. संजीव चोपड़ा और पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी ने संयुक्त रूप से किया। रत्ना मनुचा की संपादित पुस्तक में 21 लघु कथाएं और तीन कविताएं शामिल हैं, जो सशस्त्र बलों के जीवन के रोचक अनुभवों को पाठकों तक पहुंचाती हैं। कार्यक्रम में आयोजित परिचर्चा में ब्रिगेडियर स्टीव इस्माइल, ब्रिगेडियर पी.पी. सिंह और कर्नल सी.एम.एस. कलाकोटी ने भाग लेते हुए सेना के जीवन से जुड़े कई दिलचस्प और हास्यपूर्ण प्रसंग साझा किए। वक्ताओं ने बताया कि कठिन परिस्थितियों में भी हास्य सैनिकों का मनोबल बनाए रखने और साथियों के बीच आत्मीयता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम होता है। पुस्तक की संपादक रत्ना मनुचा ने कहा कि सेना को अक्सर केवल शौर्य, अनुशासन और बलिदान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, जबकि हंसने–मुस्कुराने का पक्ष भी सैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

माधव चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू

रुद्रप्रयाग। नारायणकोटि स्थित माधव चिकित्सालय में शनिवार से अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू हो गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी की ओर संचालित चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ आपदा के बाद से विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। सोसाइटी के कोषाध्यक्ष व यथार्थ ग्रुप के संचालक डॉ. कपिल त्यागी ने बताया कि संस्था उत्तराखंड में 12 चिकित्सालय संचालित कर रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रामप्रकाश ने कहा कि अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय की दौड़ नही लगानी पड़ेगी और समय पर जांच हो सकेगी।

समाजोत्थान में पत्रकारों की भूमिका विषय पर गोष्ठी आयोजित

बागेश्वर। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर गरुड़ में आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में वक्ताओं ने पत्रकारिता की निष्पक्षता, निर्भीकता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा पत्रकारों को सम्मानित कर उनके योगदान का अभिनंदन किया गया।

तहसील पत्रकार संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। समाजोत्थान में पत्रकारों की भूमिका विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होने के साथ–साथ सरकार और जनता के बीच एक सशक्त सेतु भी है। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे निष्पक्ष और निर्भीक होकर समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं तथा सकारात्मक सोच के साथ जनभावनाओं की आवाज बनें।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने पकड़ी पत्थरों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली , सीज

कोटद्वार। क्षेत्र की नदियों से चोरी-छिपे अवैध खनन किया जा रहा है। एसएसपी पौड़ी से अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश मिलने पर स्थानीय पुलिस ने अभियान चलाया। कोतवाल प्रदीप नेगी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में कोटद्वार पुलिस ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को खनन सामग्री के साथ पकड़ा। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली चालक से खनन सामग्री के संबंध में वैध अभिलेख एवं रॉयल्टी प्रपत्र दिखाने को कहा, तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। प्राथमिक जांच में उपखनिज (पत्थर/बोल्डर) का परिवहन अवैध पाया गया। इस पर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर कोतवाली परिसर में खड़ा करा दिया। साथ ही पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन में शामिल लोगों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

डॉ. बीजीआर परिसर के 22 छात्रों को मिली छात्रवृत्ति

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल केंद्रीय विवि के डॉ. बीजीआर परिसर के सात मेधावियों का नॉर्थ जोन में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं समेत 22 छात्र-छात्राओं को स्व. डॉ. आलम सिंह रावत मैमोरियल छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

परिसर सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. डॉ. यूसी गैरोला ने बताया कि मई के प्रथम सप्ताह में छात्रवृत्ति के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं थीं, जिसमें अनामिका जुगराण प्रथम, अंजलि थपलियाल द्वितीय व आकांक्षा गुसाईं तृतीय रही, जबकि नॉर्थ जोन के तहत हुई पावर लिफ्टिंग महिला में प्रभा पांडेय ने पहला, वॉलीबाल महिला में अश्वनी मेहरा ने दूसरा और टेटे पुरुष अनंत बिष्ट ने तीसरा स्थान पाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धीरेंद्र सिंह रावत ने सभी को पुरस्कार बांटे। इस मौके पर शिक्षाविद डॉ. गौतम कुमार, डॉ. सीबी कोटनाला, डॉ. नवीन चंद्र, डॉ. सपना रावत, मानसी दंगवाल आदि मौजूद रहे।

झमाझम बारिश, गर्मी से मिली राहत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय में शनिवार को दोपहर बाद हुई झमाझम बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली वहीं वन विभाग ने भी राहत की सांस ली है। पौड़ी में शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ और धूप खिली रही, लेकिन दोपहर होते-होते बादल घिर आए और बारिश के साथ ओले गिरने शुरू हो गए। बारिश से वन विभाग ने भी राहत की सांस ली। बीते दिनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जंगलों में आग की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में बारिश से जंगलों में नमी बढ़ गई है। साथ ही आग की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

समस्याओं के समाधान को लेकर महापौर से की वार्ता

श्रीनगर गढ़वाल : होटल एसोसिएशन ने होटल व्यावसायियों की समस्याओं के समाधान को लेकर महापौर वार्ता की। इस दौरान उन्होंने नगर निगम द्वारा रात 10 बजे के बाद यात्रा वाहनों को श्रीनगर में ही रोकने के निर्णय का स्वागत किया। इसके साथ ही अनुरोध किया कि बदरीनाथ-केदारनाथ जाने वाले वाहनों को स्वीत पुल मेडिकल गेट से पहले और ऋषिकेश की ओर लौटने वाले वाहनों को कीर्तिनगर पुल से पहले रोका जाए, जिससे यात्रियों को श्रीनगर के होटलों में ठहरने का अवसर मिल सके और उनकी बुकिंग व सुविधानुसार आवास व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा होटल व्यवसायियों ने नगर निगम द्वारा लगाए जा रहे अधिक व्यावसायिक शुल्क पर नाराजगी जताई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन सीजन सीमित अवधि का होता है और ऐसे में भारी-भरकम व्यावसायिक शुल्क होटल कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है। उन्होंने पूर्व में लगाए गए टैक्स में अधिकतम 10 प्रतिशत बढोत्तरी करने की बात कही, जिससे होटल व्यवसायी समय पर और सुगमता से शुल्क जमा कर सकें। उन्होंने मांगों पर सकारात्मक विचार नहीं किए जाने पर आंदोलन का रास्ता अपनाने की चेतावनी भी दी। इस मौके पर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष एप्पल रतूड़ी, नरेश नौटियाल, विक्रम पंवार, राजीव विश्नोई आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

भाबर के गांवों में बिजली की आंख मिचौली, उपभोक्ता परेशान

कोटद्वार। दो दिन से कोटद्वार भाबर के गांवों में बिजली की आंख-मिचौली से लोग परेशान हैं। बृहस्पतिवार की रात से लेकर शुक्रवार दिन तक जहां आंधी से लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण 11 घंटे बिजली बाधित रही, वहीं शुक्रवार रात से लेकर शनिवार शाम तक बिजली की आंख मिचौली का सिलसिला जारी रहा।

शनिवार सुबह कई बार बिजली बाधित होने से भाबर के गांवों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। शनिवार सुबह से देर शाम तक बिजली आती जाती रही। दोपहर बाद तेज बारिश और तूफान आने से एक बार फिर से बिजली ठप हो गई। उपभोक्ताओं का कहना है कि बीते तीन दिन से क्षेत्रवासी बिजली कटौती और साथ में पेयजल आपूर्ति बाधित होने से परेशान हैं। उपभोक्ता श्याम सिंह, अनिल नवानी, मयस्कर बलूनी, आशीष कुमार, विमल ध्यानी ने बताया कि बिजली कटौती से लोग परेशान हो उठे हैं।

पाली गांव में पानी का संकट, स्रोत व पाइप लाइन मरम्मत की लगाई गुहार

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत पाली के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से क्षतिग्रस्त पेयजल स्रोत और पाइप लाइन मरम्मत करने की गुहार लगाई है। पाली के पूर्व ग्राम प्रधान ललित सुयाल की ओर से इस संबंध में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को प्रेषित ज्ञापन में बताया गया है कि बीते 28 मई को गांव में अतिवृष्टि होने से मुख्य पेयजल स्रोत और पाइल पाइन क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे गांव में पानी का संकट बना है। उन्होंने बताया कि अतिवृष्टि के दौरान मुख्य पेयजल स्रोत के ऊपर भारी भूस्खलन हुआ पेयजल स्रोत और उससे जुड़ी पेयजल पाइप लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। ग्राम पंचायत अपने संसाधनों से क्षतिग्रस्त स्रोत और पेयजल लाइन का पुनर्निर्माण कराने में सक्षम नहीं है। पानी की आपूर्ति बाधित रहने से गांव में निवासरत लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही है।

वर्ग संघर्ष के बिना कोई सामाजिक बदलाव संभव नहीं: बीरेंद्र गोस्वामी

रुद्रप्रयाग। सीटू स्थापना दिवस व किसान दिवस के अवसर पर किसान सभा के जिला कोषाध्यक्ष कामरेड दौलत सिंह रावत की अध्यक्षता में शनिवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीटू जिला मंत्री बीरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि सीटू की स्थापना 30 मई सन 1970 को हुई थी। उन्होंने कहा वर्ग संघर्ष के बिना कोई सामाजिक बदलाव संभव नहीं है इसलिए आज पूरे देश में मजदूरों की एक दमदार आवाज सीटू ही है।

घास लेने गई महिला पर गुलदार का हमला, बहादुरी से बची जान

कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत सनेह के कोटडीढांग रेंज की घटना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग के अंतर्गत कोटडीढांग रेंज में घास लेने गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया। महिला ने साहस का परिचय देते हुए दरांती से अपना बचाव किया, जबकि आसपास मौजूद अन्य महिलाओं ने शोर मचाकर और पत्थर फेंककर गुलदार को खदेड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार सनेह कोटडीढांग निवासी रीना देवी (39 वर्ष) पत्नी भूपेंद्र अधिकारी शनिवार सुबह करीब नौ बजे अन्य महिलाओं के साथ वन क्षेत्र में घास लेने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे गुलदार ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। हमले से घबराने के बजाय रीना देवी ने हिम्मत दिखाते हुए अपने हाथ में मौजूद दरांती से गुलदार का सामना किया और शोर मचाना शुरू कर दिया। महिला की

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में उपचार कराती गुलदार के हमले में घायल रीना देवी।

चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद अन्य महिलाएं मौके पर दौड़ीं और गुलदार पर पत्थर बरसाने लगीं। महिलाओं के सामूहिक प्रयास और विरोध के चलते गुलदार वहां से भाग निकला। हालांकि हमले में रीना देवी घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और घायल महिला को 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार रीना देवी के हाथ और पीठ पर गुलदार के नाखूनों के गहरे निशान हैं। फिलहाल उनका उपचार चल रहा है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले काफी समय से गुलदार की गतिविधियां आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास बढ़ गई हैं। कई बार गुलदार गांवों तक पहुंच चुका है, जिससे लोगों में लगातार डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि वन विभाग को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, गुलदार की निगरानी करने और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

बाइक पर लगी आग, हादसा टला

बाइक में लगी आग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत कौड़िया में शनिवार सुबह एक बाइक में आग लग गई। समय रहते बाइक के आसपास मौजूद लोग दूर हट गए, जिस कारण बड़ी घटना टल गई। शनिवार सुबह करीब 10 बजे कौड़िया में दिल्ली फार्म निवासी एक व्यक्ति अपनी बाइक में वेल्डिंग करवा रहा था। इसी दौरान अचानक बाइक ने आग पकड़ ली। इससे पहले आग पर काबू पाया जाता, आग ने पूरी बाइक को चपेट में ले लिया और पूरी बाइक आग के गोले में तब्दील हो गए। बाइक पर आग लगते ही भगदड़ मच गई और दुकानदार, बाइक स्वामी सहित आसपास के लोग बाइक से दूर हो गए। गनीमत यह रही कि बाइक का पेट्रोल टैंक नहीं फटा। बाद में लोगों ने पानी डाल आग पर काबू पाया।

मां शीतला देवी मंदिर के वार्षिक पूजन में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर के भक्तियाना स्थित प्राचीन मां शीतला देवी मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक पूजन किया गया। शनिवार को इसका विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। शनिवार सुबह देवी पाठ के समापन के बाद मंदिर परिसर में पारंपरिक मंडाण का आयोजन किया गया। इस दौरान देवी-देवताओं का आह्वान कर उनका श्रृंगार और विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। धार्मिक परंपरा के अनुसार देव डोलियों को देवस्थान के लिए रवाना किया गया। मंडाण के दौरान मंदिर परिसर मां शीतला देवी के जयकारों से गुंजायमान रहा। मंडाण के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और पूर्णाहुति संपन्न हुई। पूजन अनुष्ठान पंडित विरेंद्र गोदियाल और गणेश सेमवाल ने विधिवत संपन्न

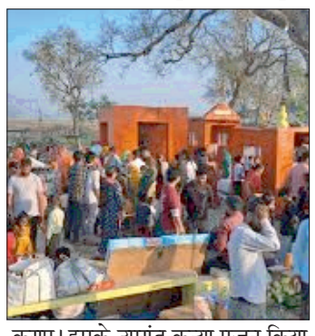

कराए। इसके उपरांत कन्या पूजन किया गया। बाद में श्रद्धालुओं को मां का प्रसाद वितरित किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें नगर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। तीन दिनों तक चले इस वार्षिक पूजन के दौरान मंदिर परिसर में देवी पाठ, पूजा-अर्चना, जागरण, भजन-कीर्तन और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। (एजेंसी)

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिखाल में आयोजित चतुर्थ वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका कीर्ति सुधा के चतुर्थ संस्करण का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीईओ द्वारीखाल डॉ. सुरेंद्र सिंह नेगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजकीय विद्यालयों में घटती छात्र संख्या पर चिंता जताई। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को राजकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलवाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल और पुरस्कार दिए गए। वार्षिकोत्सव में प्रधानाचार्य राकेश सिंह नेगी, पूर्व प्रधानाचार्य मोहन सिंह रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली जितेंद्र सिंह चौहान, राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री मनमोहन चौहान, जनपद उपाध्यक्ष पूरन नेगी, जीआईसी पाली लंगूर के पूर्व प्रधानाचार्य नागेंद्र चौहान, समाज सेवी भारत सिंह रावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता इंद्रपाल, छात्र अंकुश, कामिनी एवं दीपाली ने किया।

अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर-टॉली सीज

कोतवाली में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अवैध खनन एवं उपखनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली कोटद्वार पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खनन सामग्री से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पक-ड़कर सीज कर दिया।

पुलिस द्वारा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में बड़ी मात्रा में उपखनिज (पत्थर/ बोल्डर) लदा हुआ पाया गया। पुलिस टीम ने वाहन चालक से खनन सामग्री के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज, रॉयल्टी प्रपत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन चालक कोई भी वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। प्राथमिक जांच में खनन सामग्री का परिवहन अवैध रूप से किया जाना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही सीज कर दिया तथा संबंधित धाराओं के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन और उपखनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

बाईपास प्रभावितों ने लगाई गुहार, खाली भूमि पर टिन शेड डालने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय राजमार्ग-119 के बाईपास निर्माण से प्रभावित परिवारों ने अपने आवास ध्वस्त होने के बाद सिर छिपाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग उठाई है। प्रभावितों का कहना है कि मकान टूटने के बाद वे बेघर हो गए हैं और उनके पास रहने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं बचा है। ऐसे में बाईपास क्षेत्र से हटकर बची खाली भूमि पर टिन शेड अथवा कच्चे आवास बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

शनिवार को पार्षद अनिल रावत के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों ने तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र के विशनपुर इलाके में रहने वाले अनेक परिवार राष्ट्रीय राजमार्ग-119 के बाईपास निर्माण की जद में आए हैं। परियोजना के तहत उनके मकानों को खाली कराया गया और कई भवन ध्वस्त भी हो चुके हैं, जिससे परिवारों के सामने आवास का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। प्रभावितों ने कहा कि बाईपास मार्ग के लिए अधिग्रहित भूमि के अतिरिक्त आसपास कुछ खाली भूमि अभी भी उपलब्ध है। वे इसी भूमि पर अस्थायी रूप से टिन शेड या कच्चे मकान बनाकर अपने परिवारों के साथ रहना चाहते हैं, ताकि उनके सिर पर छत बनी रहे। उनका कहना है कि मकान टूटने के बाद उनके पास रहने का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है और आर्थिक स्थिति भी ऐसी

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते एनएच-119 बाईपास प्रभावित

नहीं है कि वे तुरंत कहीं और आवास की व्यवस्था कर सकें। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि प्रभावित परिवारों ने अपनी जरूरत के अनुसार कुछ स्थानों पर अस्थायी टिन शेड और कच्चे ढांचे तैयार किए हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से उन्हें वहां से हटने का दबाव बनाया जा रहा है। लोगों ने मांग की कि जब तक उनके पुनर्वास अथवा स्थायी आवास की समुचित व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उनके टिन शेड और कच्चे मकानों को नहीं तोड़ा जाए तथा उन्हें अस्थायी रूप से वहां रहने की अनुमति दी जाए। प्रभावितों ने कहा कि विकास परियोजनाओं के लिए वे सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन उनके पुनर्वास और आवासीय सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सरकार और प्रशासन को सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मानवीय आधार पर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। इस अवसर पर प्रेम सिंह, वीरेंद्र सिंह, संदीप, कमला देवी, सोनिका देवी, सरोजनी देवी, पार्वती देवी, दीपक रावत सहित कई प्रभावित परिवारों के सदस्य मौजूद रहे।

लोगों ने समस्याओं के निराकरण की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के घसियामहादेव क्षेत्र के लोगों ने सिंचाई विभाग वाली कॉलोनी का रास्ता ठीक करने, रेवड़ी में रास्ते के पक्कीकरण, रेलिंग लगाने और स्ट्रीट लाइट लगाए जाने की मांग की है। स्थानीय निवासी शंकुतला देवी, आलम सिंह, मथुरा प्रसाद, देवी प्रसाद आदि ने नगर निगम को दिए ज्ञापन में सिंचाई विभाग के पास के रास्ते का पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मार्ग की स्थिति ठीक न होने से बुजुर्ग लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रेवड़ी के जगदीश प्रसाद पुरी की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि रेवड़ी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की कमी होने से अंधेरा पसरा रहता है, इससे जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है।

भक्त दर्शन कॉलेज की भूमि पर भू-माफिया की नजर

कोटद्वार। भक्त दर्शन पीजी कॉलेज की स्थापना के लिए ग्रामीणों की ओर से दान में दी गई भूमि पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। कॉलेज प्रशासन ने उच्च शिक्षा विभाग से जांच और कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उच्च शिक्षा निदेशक को पत्र भेजा गया है।

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार वर्ष 1992 में ग्राम सभा स्यालगांव मल्ला, पट्टी लंगूर पल्ला, तहसील लैंसडौन के 14 ग्रामीणों ने उच्च शिक्षा के विकास के उद्देश्य से लगभग 184 नाली भूमि महाविद्यालय स्थापना के लिए दान दी थी। भूमि पर भवन निर्माण के बाद वर्ष 2004 से कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। उच्च शिक्षा निदेशक को भेजे पत्र में उल्लेख किया गया है कि तत्कालीन जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा अभिलेखों में और मौखिक रूप से यह बताया गया था कि महाविद्यालय को गुमखाल-कोटद्वार मोटर मार्ग के ऊपर एवं गुमखाल-लैंसडौन मोटर मार्ग के नीचे स्थित भूमि आवंटित की गई थी। महाविद्यालय प्रशासन का कहना है कि संस्थान पिछले लगभग 34 वर्षों से उक्त भूमि का उपयोग एवं संरक्षण करता आ रहा है। गत माह एक बाहरी व्यक्ति ने उक्त भूमि पर काम शुरू कराया है।

इस बाबत जानकारी करने पर संबंधित व्यक्ति ने दावा किया कि यह भूमि उसे स्यालगांव के कुछ निवासियों ने बेची है। पत्र में कहा गया है कि इससे भूमि स्वामित्व को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मूसलाधार बारिश से मौसम हुआ सुहावना

कोटद्वार। दिनभर भीषण गर्मी के बाद शनिवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदली। आंधी के बाद बादलों की तीव्र गर्जना के साथ मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के साथ ठंडी हवा के झोंकों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। वहीं, पौड़ी हाईवे पर दुर्गा देवी मंदिर के निकट बोल्डर गिरने से कुछ देर तक सड़क यातायात बाधित रहा। शनिवार शाम करीब चार बजे क्षेत्र में आंधी आई। इस दौरान सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। करीब एक घंटे बाद बादलों की तीव्र गर्जना के साथ मूसलाधार बारिश हुई। विभिन्न मार्गों पर जलभराव हुआ। गर्मी से जूझ रहे लोगों ने इसकी परवाह न कर बदले मौसम का लुत्फ उठाया और गर्मी से काफी राहत महसूस की। लैंसडौन में शाम चार बजे तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। करीब 30 मिनट तक ओले बरसने से मौसम से ठंडक लौट आई। मौसम सुहावना हो गया। वहीं, आंधी आने के कारण विकासखंड द्वारीखाल के डाडामंडी-जमेली मोटर मार्ग पर पेड़ गिरने से वाहनों की आवाजाही

अवरुद्ध रही। वाहनों को नदी के रास्ते गुजारना पड़ा। ग्राम प्रधान डुंडेख आरती देवी ने बताया के दो दिन से डुंडेख के पास पेड़ गिरने से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। वाहनों की नदी के रास्ते आवाजाही हो रही है। अधिक बरसात होने पर नदी से आवाजाही रुक जाएगी। दुगड्डा में मूसलाधार बारिश होने पर हाईवे पर जलभराव हुआ। हाईवे पर करीब एक घंटा बाधित रहा यातायातः कोटद्वार-दुगड्डा के बीच दुर्गा देवी मंदिर के निकट पहाड़ से बोल्डर गिरने के कारण करीब एक घंटे तक हाईवे का यातायात रुका रहा। एनएच खंड के जेई आशीष सैनी ने बताया कि पांच बजे मूसलाधार बारिश के कारण पत्थर गिरे। कुछ जगह लोगों ने मार्ग को साफ किया। कुछ जगह बड़े पत्थरों को जेसीबी से हटाकर मार्ग खुलवाया गया। जीआईसी कण्वघाटी की ढही चहारदीवारीः कण्वघाटी। शनिवार को हुई तूफानी बारिश से जीआईसी कण्वघाटी की चहारदीवारी ढह गई। क्षेत्र में देर शाम तक बारिश का सिलसिला जारी रहने से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन तेज आंधी से टिन शेड व पेड़ों की टहनियां सड़क पर गिरती रही। आंधी में सुरक्षा की दृष्टि लोग घरों के अंदर रही रहे।

शिव महापुराण कथा का हवन यज्ञ एवं भंडारे के साथ समापन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत हल्दूखाता स्थित धोबीघाट शिव मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय सार्वजनिक शिवमहापुराण कथा का शनिवार को विधिवत हवन यज्ञ, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कथा वाचक आचार्य राकेश लखेड़ा ने शिवमहापुराण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अन्नदान को सभी दानों में श्रेष्ठ बताया। न्होंने कहा कि भूखे और जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। अन्नदान से न केवल व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि उसके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का भी वास होता है। आचार्य लखेड़ा ने कहा कि घर में आने वाले साधु-संतों एवं जरूरतमंदों का आदर-सत्कार कर उन्हें श्रद्धापूर्वक दान देना चाहिए। इससे परिवार में धन-धान्य, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान शिव की नियमित

शिवमहापुराण कथा के समापन अवसर पर कीर्तन मंडलियों को सम्मानित करते कथा वाचक आचार्य राकेश लखेड़ा।

पूजा-अर्चना और स्मरण करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि देवों के देव महादेव का नाम लेने मात्र से मनुष्य बड़े से बड़े संकट से उबर सकता है। कथा समापन के अवसर पर हवन यज्ञ एवं पूर्णाहुति संपन्न कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व कल्याण और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर व्यास पीठ की ओर से धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न कीर्तन मंडलियों को सम्मानित किया गया। आचार्य राकेश लखेड़ा ने कहा कि कीर्तन मंडलियां समाज में धार्मिक चेतना जागृत करने और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सम्मान प्राप्त करने वाली मंडलियों के सदस्यों ने इसे अपने कार्यों के प्रति प्रोत्साहन बताया। कार्यक्रम में नर्मदा देवी, दीपा देवी, संगीता रावत, कुसुम लता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर, नैनीताल की हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2008 में अनुक्रमांक 0061052 से संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में विद्यालय वी0एन0एच0एस0 एस0 पदमपुर, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल से उत्तीर्ण की है। मेरी हाई स्कूल की मार्कशीट व सर्टिफिकेट (प्रमाण पत्र) वास्तव में कहीं खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

आकांक्षा नेगी पुत्री श्री यशपाल सिंह नेगी निवासी सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0525/21)

अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अमरज्योति

ललित गर्ग

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे।

भारतीय इतिहास के विशाल आकाश में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो केवल अपने समय के शासक नहीं होते, बल्कि युग की चेतना बन जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व हैं। वे केवल मालवा की रानी नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सुशासन, न्याय और लोककल्याण की जीवित प्रतिमूर्ति थीं। 31 मई 2026 को उनकी 301वीं जयंती मनाई जा रही है। यह अवसर केवल एक महान शासिका को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उस दिव्यदृष्टि और जीवन-दर्शन को पुनः समझने का है, जिसकी आज के भारत को अत्यंत आवश्यकता है। 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में जन्मी अहिल्या एक सामान्य परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी शिंदे ग्राम प्रधान थे। उस समय जब स्त्री-शिक्षा का प्रचलन लगभग नहीं था, तब उन्होंने अपनी पुत्री को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास दिया। यही शिक्षा आगे चलकर उन्हें भारतीय इतिहास की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में स्थापित करने वाली बनी।

मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने बालिका अहिल्या में अद्भुत प्रतिभा देखी और उनका विवाह अपने पुत्र खंडेराव होल्कर से करवा दिया। किंतु विवाह के कुछ वर्षों बाद ही युद्ध में पति की मृत्यु हो गई। उस युग की परंपराओं के अनुसार अहिल्याबाई सती होना चाहती थीं, लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि राज्य और प्रजा को उनकी आवश्यकता है। यही वह क्षण था, जहां से एक साधारण स्त्री का असाधारण नेतृत्व आरंभ हुआ। अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों की अग्निपरीक्षा रहा। पति की मृत्यु, पुत्र मालेराव का निधन और बाद में ससुर मल्हार राव का बिछोह-इन सब आघातों के बाद भी उन्होंने स्वयं को टूटने नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पीड़ा को जनसेवा की शक्ति में बदल दिया। यही कारण है कि उनका शासन केवल राजसत्ता नहीं, बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व का आदर्श बन गया।

1767 में जब वे मालवा की गद्दी पर बैठीं, तब राजनीतिक अस्थिरता, षड्यंत्र और बाहरी आक्रमणों का दौर था। किंतु उन्होंने अद्भुत धैर्य, विवेक और साहस के साथ शासन संभाला। उनका प्रशासन इस बात का उदाहरण था कि सुशासन केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवेदना, न्याय और नैतिकता से संचालित होता है। उन्होंने कर व्यवस्था को सरल बनाया, किसानों पर लगान कम किया और व्यापार को संरक्षण दिया। उनके शासन में मालवा समृद्धि, शांति और सांस्कृतिक विकास का केंद्र बन गया। आज जब राजनीति अक्सर सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ का पर्याय बनती जा रही है, तब अहिल्याबाई का जीवन यह संदेश देता है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य जनता का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने

कभी राजसत्ता को अहंकार का माध्यम नहीं बनने दिया। वे प्रतिदिन खुले दरबार में प्रजा की समस्याएं सुनती थीं। उनके न्याय में न पक्षपात था और न विलंब। यही कारण था कि जनता उन्हें 'लोकमाता' कहकर सम्मान देती थी।

अहिल्याबाई का सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में दिखाई देता है। मुगल आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के अनेक मंदिर और तीर्थस्थल नष्ट हो चुके थे। उन्होंने केवल मंदिरों का पुनर्निर्माण नहीं करवाया, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और उज्जैन सहित अनेक तीर्थों में उन्होंने घाट, मंदिर, कुएं और धर्मशालाएं बनवाईं। यह कार्य किसी संकीर्ण धार्मिक आग्रह से प्रेरित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास था। उनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी। वे समाज-सुधार की भी प्रबल पक्षधर थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिया, सती प्रथा और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयास किया। यह उस समय की दृष्टि से अत्यंत क्रांतिकारी सोच थी। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष सैन्य टुकड़ी भी गठित की। यह इस बात का प्रमाण है कि वे नारी को केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की प्रतीक मानती थीं।

महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने उसे संस्कृति, कला और उद्योग का केंद्र बनाया। महेश्वरी साड़ियों की परंपरा आज भी उनके दूरदर्शी आर्थिक चिंतन की साक्षी है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। वर्तमान समय में जब 'लोकल फॉर वोकल' और आत्मनिर्भर भारत की चर्चा हो रही है, तब अहिल्याबाई का मॉडल और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें 'दार्शनिक रानी' कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का 'स्वर्ण युग' बताया। यह केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है कि अहिल्याबाई ने भारतीय शासन परंपरा को नैतिक ऊंचाई प्रदान की। अहिल्याबाई शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। वे बताती हैं कि नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना है। राष्ट्र निर्माण केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सेवा, न्याय और संवेदना से होता है। अहिल्याबाई होलकर का कृतित्व बहुआयामी, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी था। वे केवल एक सफल शासिका नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और नारी नेतृत्व की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित कर मालवा को समृद्धि, शांति और विकास के शिखर पर पहुँचाया। कृषि, व्यापार, जलसंधारण, उद्योग एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा दिया, किसानों को संरक्षण दिया तथा सामाजिक समरसता को मजबूत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण हेतु तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण एवं विकास कराया। नारी सम्मान, विधवा संरक्षण, शिक्षा, लोकसेवा और परोपकार के क्षेत्रों में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहे। उनका कृतित्व प्रशासनिक दक्षता, मातृवत् संवेदना, धर्मनिष्ठा, साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की चेतना का अद्वितीय संगम था।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति का वह उज्ज्वल अध्याय हैं, जिसमें साहस है, संवेदना है, संस्कृति है और सृजन है। वे इतिहास की स्मृति भर नहीं, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनकी 301वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन मूल्योंकृसुशासन, लोककल्याण, नारी सम्मान, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदना को अपने राष्ट्रीय जीवन में पुनः प्रतिष्ठित करें। लोकमाता अहिल्याबाई सचमुच भारतीय संस्कृति की वह अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक समाज को प्रकाश देती रहेंगी।

छोटे किसानों की कृषि

भारत डोगरा

भारतीय कृषि मूलतः छोटे किसानों की कृषि है, और यदि छोटे किसान कृषि के आधार पर संतोषजनक आजीविका प्राप्त करते हैं तो इससे भारतीय कृषि संकट के समाधान के लिए उम्मीद बांती है।

इस दृष्टिकोण से इन पंक्तियों के लेखक ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र आदि अनेक राज्यों में ऐसे छोटे किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया जिनके प्रयास ऐसी उम्मीद की किरण देने में सक्षम हैं।

इस तरह का एक विशेष तौर पर उत्साहवर्धक प्रयास है, बालचंद्र अहिरवार नामक दलित किसान का जिन्होंने अपनी पत्नी गुड्डी, माता–पिता, भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों के सहयोग से जैविक खेती के माध्यम से संतोषजनक और टिकाऊ आजीविका का अनुकरणीय उदाहरण टीकमगढ़ जिले (मप्र) के जतारा ब्लॉक के लिोरातल गांव में प्रस्तुत किया। बालचंद्र के पास मात्र 2 एकड़ कृषि भूमि है। उस भूमि का भरपूर उपयोग कर वे अनेक विविध फसलें प्राप्त करते हैं। उनकी रबी की मुख्य फसल गेहूं है और खरीफ की मुख्य फसल मूंगफली है जिनसे मुख्य खाद्य सुरक्षा और नकद आय प्राप्त होती है। पर इसके साथ उन्होंने सब्जी और फलों का बगीचा भी कुछ भूमि पर तैयार किया है और मुख्य फसलों के साथ अनेक अन्य फसलें मिश्रित खेती पद्धति से बो देते हैं और खेतों की मेढ़ों पर भी कुछ न कुछ फसल प्राप्त करते हैं। इस तरह उनका खेत बहुत हरा–भरा रहता है और गर्मी की बहुत ताप से भी धरती बचती है। छाया और नमी से सूक्ष्म जीव और केचुएं बेहतर पनपते हैं। मात्र 2 एकड़ भूमि में वे गेंहू और मूंगफली के अतिरिक्त मक्का, मटर, चना, मसूर, मूंग, उड़द, सरसों, हल्दी, लहसुन, प्याज, आलू, टमाटर, बैंगन, तुरई, लौकी, पालक, धनिया, मेथी, खीरा, सेम, गाजर, फूलगोभी, रतालू, करेला, भिंडी, सेहजन की फली और गेंदे के फूल लगाते हैं। फलों को देखें तो अमरूद, अनार, नीबू, आम, कटहल, लीची, संतरे, अनार, पपीते के पेड़ लगाए हैं। इस तरह 2 एकड़ भूमि के खेत को भली–भांति प्यार से पालते–पोसते हुए वे लगभग 44 खाद्य प्राप्त करते हैं। यह खेती पूरी तरह जैविक है। इसमें किसी रासायनिक खाद और कीटनाशक दवा का कतई उपयोग नही होता। प्राकृतिक खाद को बालचंद्र अपने खेत पर स्वयं गोबर और गोमूत्र को थोड़े से बेसन और गुड़ के साथ विशेष अनुपात में मिला कर तैयार करते हैं। इसी तरह कीड़ों की रोकथाम के लिए गोबर, गोमूत्र के साथ तरह–तरह के कड़वे पत्तों को मिला कर एक छिड़काव तैयार किया जाता है। यह खाद और दवा बालचंद्र बड़ी मात्रा में तैयार करते हैं। पिछले वर्ष उन्होंने इस प्राकृतिक खाद और छिड़काव को 165 किसानों तक पंहुचाया। यह बड़े पैमाने पर तैयार करते के लिए 'सृजनइ संस्था के सहयोग से बालचंद्र के खेत पर पलक प्राकृतिक कृषि एवं प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। यहां कृषकों को पावर टिलर, छिड़काव पंप आदि उपकरण भी प्राप्त होते हैं। बालचंद्र को सरकारी स्तर पर भी पुरस्कृत किया जा चुका है, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वे सैकड़ों किसानों को प्राकृतिक खेती के अपने अनुभवों का लाभ दे चुके हैं। बालचंद्र को इस तरह की बहुत रचनात्मक खेती करने में बहुत आनंद आता है और वे जो बहुत मेहनत करते हैं, खुशी–खुशी करते हैं। विश्राम करते हुए भी वे यह सोचते हैं कि इस खेत या क्यारी या पेड़ को किस तरह से ठीक करना है। वे मानते हैं कि प्राकृतिक खेती के लिए ऐसे प्यार और निष्ठा के बिना सफलता नहीं मिलती। इस कृषि से बालचंद्र के परिवार का संतोषजनक निर्वाह होता है। अपने दोनों बेटों को वे छतरपुर और भोपाल में नर्सिंग और फार्मेसी की उच्च शिक्षा भी दिलवा रहे हैं। बालचंद्र को इस खेती में इतनी निष्ठा है कि वे अपने निवास को भी खेत में ही ले आए हैं। प्राकृतिक खेत के आरंभिक दिनों में कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उनका मजाक उड़ाया पर आज वही व्यक्ति उन्हें सम्मान दे रहे हैं। बहुत सावधानी से बालचंद्र ने रासायनिक खाद, कीटनाशक, अत्यधिक मशीनीकरण के खतरे को दूर किया है। ट्रैक्टर के प्रति उनका मोह नही है और इसकी अपेक्षा बहुत सस्ते पावर टिलर में वे जुताई करते हैं।

चिंतन–मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी:45 डिग्री के पार तापमान, संकट में जनजीवन

सुनील कुमार महला

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है। कहना गलत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं। खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में, गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव जल संकट, खेती और बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। नदियां, तालाब और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। किसानों के लिए भी यह समय बेहद कठिन बनता जा रहा है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी फसलों की उत्पादकता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या भी सामने आ रही है। अब आवश्यकता इस बात की है कि गर्मी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए, जितनी बाढ़, भूकंप या तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं को दी जाती है। हीटवेव को भी राष्ट्रीय आपदा की तरह समझने और उससे निपटने के लिए व्यापक तैयारी करने की जरूरत है। लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए, अधिक पानी पीना चाहिए और जरूरतमंद लोगों, पशु-पक्षियों तथा बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी लोगों से अपील की है कि वे गर्मी से होने वाली समस्याओं को नजरअंदाज न करें और दूसरों की मदद के लिए आगे आएं। साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें। स्थानीय प्रशासन को भी गर्मियों के लिए उतनी ही गंभीर तैयारी करनी चाहिए, जितनी बारिश या सर्दियों के दौरान की जाती है। अंत में, यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसमी परेशानी नहीं रही, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। इसलिए सरकार, समाज और आम नागरिकों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में गंभीर और सतत प्रयास करने होंगे। तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकेगा।

निकोटीन का नया जालः युवाओं की नसों में घुलता जहर

योगेश कुमार गोयल

युवाओं के भविष्य पर मंडराता तंबाकू का संकट...

तंबाकू मानव स्वास्थ्य का ऐसा मौन शत्रु है, जिसकी विनाशकारी शक्ति को लेकर अब किसी प्रकार का संशय शेष नहीं रह गया है। पिछले कई दशकों में विश्वभर में हुए हजारों वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध किया है कि धूम्रपान अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन शरीर के लिए घातक है। इसके बावजूद जब कम उम्र के किशोरों और युवाओं को सिगरेट, बीड़ी, ई-सिगरेट, गुटखा, पान मसाला अथवा अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखा जाता है तो यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक चेतना का भी गंभीर संकट प्रतीत होता है। वास्तव में किशोरों के मन में तंबाकू को लेकर अनेक भ्रम घर कर जाते हैं। उन्हें लगता है कि धूम्रपान से तनाव कम होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, मन शांत रहता है या फिर यह आधुनिकता और परिपक्वता का प्रतीक है। विज्ञापनों, फिल्मों, सोशल मीडिया और मित्र समूहों के प्रभाव से यह भ्रम और भी गहरा हो जाता है जबकि वैज्ञानिक सत्य इससे बिल्कुल विपरीत है। तंबाकू न तो शक्ति देता है, न व्यक्तित्व निखारता है और न ही तनाव का स्थायी समाधान है। सच्चाई यह है कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो शरीर के भीतर चुपचाप अपना विनाशकारी प्रभाव छोड़ता रहता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक और अनेक घातक रोगों को जन्म देकर व्यक्ति को धीरे-धीरे मृत्यु की ओर धकेलता है। इसलिए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता आज केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है।

लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'आकर्षण का पदार्फाशः निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में

ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी : अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है। एनेस्थीसिया और तेज दर्द निवारक दवाओं के असर के कारण मरीज को पूरे दिन नींद आती रहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अचानक पूरे प्रांत की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं लगता।

नफरत पर भारी पड़ी एकता : प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल, दिया भाईचारे का संदेश

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे। त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नेप्यीडा, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि ब्रुनेई सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप, पहली बार ब्लैकलिस्ट में नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 14 पुरुषों, 7 महिलाओं, 9 लड़कों और 1 लड़की के साथ यौन हिंसा की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, जननांगों पर हमला, जबरन नग्न करना, बिना सुरक्षा कारणों के तलाशी और दुष्कर्म की धमकियां जैसे आरोप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया कि कुछ मामलों में इस्राइल डिफेंस फोर्स, जेल सेवा, विशेष बलों और पुलिस इकाइयों के सदस्यों पर सीधे आरोप लगे हैं।

ह पर भड़का इस्राइल; गुटेरेस से तोड़े संबंध : इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे राजनीतिक और भ्रष्ट संगठन करार दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस्राइल को निशाना बना रहा है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की यह कार्रवाई पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह फैसला हमास द्वारा किए गए वास्तविक यौन अपराधों और इस्राइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच झूठी समानता पैदा करने की कोशिश है।

गुटेरेस पर लगाए गंभीर आरोप : इस्राइल ने इस मुद्दे पर सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी निशाने पर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुटेरेस अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में बेबुनियाद आरोप गढ़ने का काम कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यही गुटेरेस हैं जिन्होंने 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमास हमले को संदर्भित करने की कोशिश की थी और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की कथित संलिप्तता को छिपाया था। अब वे बिना किसी तथ्य के इस्राइल पर आरोप लगा रहे हैं। इस्राइल ने दावा किया कि उसने सभी आरोपों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खंडन किया है। इस विवाद के बीच इस्राइल ने बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि नए महासचिव की नियुक्ति तक वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव कार्यालय के साथ सभी आधिकारिक संबंध समाप्त कर रहा है। इसे संयुक्त राष्ट्र और इस्राइल के रिश्तों में बड़ा तनाव माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस्राइल को ब्लैकलिस्ट में डालना और हम पर युद्ध के हथियार के रूप में यौन हिंसा इस्तेमाल करने का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक फैसला है। उन्होंने आगे कहा अब हमारा इस महासचिव से कोई संबंध नहीं बचा है। रूस की सेना और सुरक्षा बलों को भी पहली बार इस सूची में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्धबंदियों और नागरिक बंदियों के साथ यौन हिंसा की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में 310 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें ज्यादातर पीड़ित पुरुष बताए गए हैं। हालांकि रूस ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूस भी यूक्रेन द्वारा रूसी युद्धबंदियों के साथ किए गए व्यवहार पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में हमास का नाम भी शामिल है। 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद हमास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र की ब्लैकलिस्ट में मौजूद है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस्राइल द्वारा जांच के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं दिए जाने के कारण कई मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

जिम्बाब्वे के लिथियम पर चीन का कब्जा

नई दिल्ली ,जिम्बाब्वे के लगभग 90% लिथियम भंडार पर चीनी कंपनियों का नियंत्रण है, जिससे पर्यावरणीय नुकसान, श्रमिकों की असुरक्षा और भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ी हैं। खनन गतिविधियों से जल प्रदूषण, भूजल दोहन, धूल और जैव विविधता को क्षति जैसी समस्याएं सामने आई हैं, जबकि स्थानीय समुदायों ने मानवाधिकार उल्लंघन और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए हैं।

रिपोर्ट में क्या कहा गया है?

रिपोर्ट में केन्या के कैपिटल न्यूज के हवाले से बताया गया है कि भ्रष्टाचार और शासन से जुड़ी कमजोरियों के कारण कुछ कंपनियां कम जवाबदेही के साथ काम कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी खनन कंपनियां मजदूरों को असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने पर मजबूर करती हैं और इससे गंभीर जल प्रदूषण, भूजल का दोहन और खनिजों की तस्करी जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं।

खनन क्षेत्रों के पास रहने वाले समुदायों ने धूल प्रदूषण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरे को लेकर भी शिकायतें की हैं। शुरुग्वी इलाके के निवासियों ने जिम्बाब्वे की संसद से अपील की है कि खुले गड्ढे वाली खदानों से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान, स्वास्थ्य जोखिम और मानवाधिकार उल्लंघन पर कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ कंपनियां विषैले रसायनों और भारी धातुओं का उपयोग करती हैं, जिससे मुतेवेकी नदी प्रदूषित हुई है और जैव विविधता को नुकसान पहुंचा है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सौंपने पर राजी नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई ठप हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक युद्धविराम को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है। यदि यह समझौता फाइनल होता है, तो यह 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत होगी।

टेस्टिंग के दौरान फटा ब्लू ओरिजिन का रॉकेट; आसमान में दिखा खौफनाक मंजर; मस्क ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसका विशाल न्यू ग्लेन रॉकेट लॉन्च पैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्थित लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 में हुई। रॉकेट में इंजन फायरिंग टेस्ट चल रहा था, तभी तेज धमाके के साथ आग का बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई इलाकों में घर तक हिल गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने धमाके की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें आसमान नारंगी रंग की आग से चमकता नजर आया।

कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की दी जानकारी : ब्लू ओरिजिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। कंपनी के मुताबिक, सभी कर्मचारियों की गिनती कर ली गई है और कोई भी घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर टेस्ट के दौरान हमें एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की जांच की जा रही है और जल्द अपडेट साझा किया जाएगा। स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने भी साफ किया कि विस्फोट के बाद किसी जहरीले धुएं या अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

एलन मस्क की आई प्रतिक्रिया : स्पेसएक्स के मालिक और अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने इस घटना पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेहद संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए लिखा 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। रॉकेट कठिन होते हैं।' ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट पहले भी तकनीकी समस्याओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल में इसकी उड़ान को रोक दिया गया था क्योंकि इंजन फेल होने के कारण यह एक सैटेलाइट को गलत कक्षा में छोड़ बैठा था। यह न्यू ग्लेन रॉकेट की केवल तीसरी उड़ान मानी जा रही थी। ब्लू ओरिजिन इस भारी-भरकम रॉकेट का इस्तेमाल नासा के चंद्र मिशनों के लिए लैंडर लॉन्च करने में करना चाहता है।

अंतरिक्ष दौड़ में बड़ा नाम बनना चाहती है ब्लू ओरिजिन : जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन लंबे समय से एलन मस्क की स्पेसएक्स को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। न्यू ग्लेन रॉकेट को कंपनी के भविष्य के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। इस रॉकेट का नाम अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले अमेरिकी के रूप में इतिहास रचा था।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख; 90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया। श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे। स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल राउंड के दौरान प्रतिभागियों से मंच पर माइक्रोफोन के सामने स्पेलिंग और शब्दावली से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर देने वाले प्रतियोगी बाहर हो जाते हैं।

डील: 300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है। अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे। प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत : डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी। समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है। डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है। डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

जेडी वेंस बोले-अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब, पर यूरेनियम संवर्धन पर अब भी फंसा पेच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है। गाजा में बढ़ते सैन्य अभियान, इस्राइल-ईरान के बीच लगातार बढ़ रही तल्खी, लेबनान में फिर तेज होते हमले और अमेरिका की बढ़ती दखल ने पूरे इलाके का तनाव कई गुना बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि हर कुछ घंटे में कोई नया हमला, बड़ा बयान या कूटनीतिक हलचल दुनिया की सुर्खियां बन रही है। तेल कारोबार से लेकर वैश्विक राजनीति तक, हर मोर्चे पर इसका असर दिखाई देने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को रोकने के लिए समझौता लगभग तैयार है, लेकिन अंतिम सहमति से पहले दोनों पक्षों को कुछ बेहद पेचीदा मुद्दों को सुलझाना होगा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित डील के तहत युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर नए सिरे से बातचीत शुरू होगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से समझौते का एक ढांचा तैयार होने की बात कहने के बावजूद, ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इसके फाइनल होने से इनकार किया है। खुद वेंस ने साफ किया है कि यूरेनियम संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दों पर अभी भी बातचीत का दौर जारी है और जब तक डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक समझौते की सटीक समयसीमा तय करना जल्दबाजी होगी।

ईरानी दावे को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किया खारिज : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरानी मीडिया के उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के बुशहर प्रांत में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया गया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट रूप से बयान जारी कर कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गलत है, अमेरिका का कोई भी विमान क्रैश नहीं हुआ है और उनके सभी हवाई एसेट्स सुरक्षित और संपर्क में हैं। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच इस घटना को एक भ्रामक प्रचार या इन्फॉर्मेशन वॉर के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हरलान उलमैन बोले- महंगाई और चुनाव के बीच फंसे ट्रंप, ईरान से समझौता करना आसान नहीं : पूर्व अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी हरलान उलमैन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 60 दिनों में समझौता होना मुश्किल है। दोनों देशों के बीच यूरेनियम और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर समझौता करने का भारी घरेलू दबाव है। हालांकि, ट्रंप को भरोसा है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उल्मन के अनुसार, ट्रंप पर किसी समझौते के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन उन्हें इस तनाव को जल्द खत्म करना होगा। अमेरिका अपनी नौसेना को हमेशा के लिए वहां तैनात नहीं रख सकता है और इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा- आसमान में मार गिराया दुश्मन का विमान : ईरान की वायु सेना ने बुशायर प्रांत में एक दुश्मन के विमान को मार गिराने का दावा किया है। यह घटना जाम काउंटी इलाके में हुई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हवाई रक्षा प्रणाली ने इस विमान को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया। वहां के स्थानीय गवर्नर मसूद तंगेस्तानी ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के बाद अब शहर में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के मुताबिक यह घटना पिछले एक घंटे के भीतर ही हुई है।

ईरानी सेना ने चार जहाजों पर की चेतावनी भरी गोलीबारी, होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव : पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर के मुताबिक, ईरानी सुरक्षा बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास चार जहाजों पर वॉर्निंग शॉट्स फायर किए। दावा किया गया कि ये जहाज बिना समन्वय के स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार चेतावनी दिए जाने के बावजूद जहाज नहीं रुके, जिसके बाद ईरानी बलों ने फायरिंग की और जहाजों को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल जहाजों की पहचान और किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल लीड के अपोजिट नजर आएंगी सपना पब्बी

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, वहीं सपना पब्बी उनके अपोजिट नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। सपना पब्बी एक ब्रिटिश अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो भारतीय टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर लॉन्च के बाद फिर से चर्चा में हैं। 5 जून को रिलीज होने जा रही 'बंदर' एक साइकोलॉजिकल ड्रामा और मिस्ट्री फिल्म है, जो आम कमर्शियल फिल्मों से काफी अलग नजर आ रही है। ट्रेलर में बॉबी देओल एक बिल्कुल नए और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वह ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर कई युवतियों के साथ यौन शोषण और हमला करने के आरोप लगे हैं। ट्रेलर आगे बढ़ने के साथ कहानी में सपना पब्बी का किरदार बेहद अहम हो जाता है। पहले वह बॉबी देओल के करीब नजर आती हैं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ खड़ी दिखाई देती हैं। इसी ट्विस्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सपना पब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2013 में टीवी शो 24 से की थी, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया था। इसके बाद वह 'खामोशियां', अरदास करण, 'मर गए ओए लोको' और 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा सपना पब्बी का नाम कुछ साल पहले सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़ी जांच के दौरान भी चर्चा में आया था। उन्होंने सुशांत के साथ 'ड्राइव' फिल्म में काम किया था। बाद में ड्रग्स जांच से जुड़े कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम सामने आया।

उस समय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से पहले सपना पब्बी लंदन चली गई थीं। हालांकि अभिनेत्री ने इन खबरों को गलत बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि वह सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए लंदन गई थीं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के एक्टिंग करने पर बोलीं कुशा कपिला

पिछले कुछ साल में कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉलीवुड में एंट्री की और एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाई है। इसको लेकर इंडस्ट्री में एक बहस भी छिड़ी है, जहां कई एक्टर्स ने भी इंडस्ट्री की बदलती परिस्थितियों पर खुलकर निराशा व्यक्त की है। वहीं कुछ का कहना है कि सिर्फ फॉलोअर्स देखकर इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में लेना उचित नहीं हैं। कुशा कपिला भी इसी लिस्ट में शामिल हैं, जिन्होंने कंटेंट क्रिएटर के रूप में लोकप्रियता हासिल करने के बाद बॉलीवुड में एंट्री मारी है। अब कुशा ने भी इस बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि एक्टर्स को इसको लेकर चिंताएं जाहिर करना बनता है। बातचीत में कुशा कपिला ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर चल रही बहस पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अभिनेताओं का यह सोचना बिल्कुल सही है कि अगर उन्हें सिर्फ फॉलोअर्स की वजह से काम मिल रहा है, तो उन्हें प्रोजेक्ट्स में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि उन्होंने इसके लिए पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें ही प्रोजेक्ट्स में लीड रोल निभाना चाहिए। हालांकि, उनका मानना है कि अगर कोई कंटेंट क्रिएटर एक्टिंग के लिए समय निकालता है, मेहनत करता है, दोबारा पढ़ाई करता है, सीखता है, वर्कशॉप में हिस्सा लेता है, तो चीजें बदल जाती हैं। वहां ये तर्क काम नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए भुवन बाम जैसे किसी को ही देख लीजिए, वे अपना कंटेंट खुद प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनके कॉन्सेप्ट का सबूत भी मौजूद है। ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ पांच साल में खुद को साबित करना है। एक एक्टर कहीं से भी आ सकता है।

मैं खुद को हर मौके के लिए तैयार रखना चाहती हूं

कंटेंट क्रिएशन के बाद एक्टिंग में आने के बाद कुशा कपिला अब कई फिल्मों व सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब उन्हें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से ज्यादा एक अभिनेत्री के रूप में पहचाना जा रहा है? इस पर कुशा ने जवाब दिया, हां बहुत से लोग मुझे मेरे प्रोजेक्ट्स के जरिए ही पहचानते हैं।' अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने अपने करियर की शुरुआत नेटफ्लिक्स के साथ 'घोस्ट स्टोरीज' से की थी। मैं एक बहुत ही साधारण गति से आगे बढ़ रही हूं। मुझे लगता है कि जब भी कोई बड़ा मौका सामने आता है, मैं उसके लिए तैयार रहना चाहती हूं। मैं खुद को कमतर नहीं दिखाना चाहती। मुझे लगता है कि 'मामला लीगल है' सीजन 2 के बाद मैं अब हूं। किसी बड़े अवसर के लिए समय निकालना जरूरी है, बजाय इसके कि वह ऐसे समय मिले जब आप उसके साथ न्याय न कर सकें। मुझे अपने करियर में बहुत मजा आ रहा है।

रवि किशन के शो में नजर आई हैं कुशा

'घोस्ट स्टोरीज' से एक्टिंग में अपनी शुरुआत करने वाली कुशा कपिला 'प्लान ए प्लान बी', 'सेल्फी', 'सुखी', 'थैंक यू फॉर कमिंग', 'मसाबा मसाबा' और 'केस तो बनता है' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वो रवि किशन के पॉपुलर शो 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन में एक वकील के किरदार में नजर आई हैं।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं। वेब सीरीज 'ब्रउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

मां ने दी थी करण के साथ लिव-इन में रहने की सलाह

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। करण कुंद्रा ने बताया कि तेजस्वी की मां शुरुआत में अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थीं। उन्होंने कहा, 'उनकी मां ने मुझसे कहा था कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहिए, क्योंकि वो थोड़ी अलग है। हालांकि, उनके पिता हमारे रिश्ते को लेकर ठीक थे।'

वहीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि शादी से पहले दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा, 'मेरी मां चाहती थीं कि करण पूरी तरह कम्फर्टेबल हों। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने ही हमें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।

ज्योतिका ने निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की

अभिनेत्री ज्योतिका इन दिनों अपनी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मुंबई में हुए प्रमोशनल इवेंट के दौरान ज्योतिका ने आईएएनएस से फिल्म, अपने किरदार और निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की। इस दौरान उनके साथ अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान ज्योतिका ने फिल्म की निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की और बताया कि महिला निर्देशक के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और बेहद आरामदायक रहा। ज्योतिका ने कहा, ''सेट पर मुझे एक अलग तरह की सहजता महसूस हुई। मैं यह बात बहुत गर्व के साथ कह सकती हूं कि महिला निर्देशक के साथ काम करना ज्यादा कंफर्टेबल लगा। कई बार कलाकारों के मन में कुछ विचार होते हैं, जिन्हें वे चाहते हैं कि स्क्रीन पर सही तरीके से दिखाया जाए। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हमें उसी नजरिए से समझा और स्क्रीन पर पेश किया।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स भी थे, जिन्हें चाहें तो ज्यादा ग्लैमरस बनाया जा सकता था ताकि दर्शकों का ध्यान जल्दी खींचा जा सके। लेकिन, निर्देशक ने ऐसा करने के बजाय किरदारों की गरिमा को प्राथमिकता दी। मुझे सबसे ज्यादा यही बात पसंद आई कि फिल्म में मुझे और सोनाक्षी सिन्हा को बहुत सम्मानजनक तरीके से दिखाया गया।''

ज्योतिका ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्म में एक स्टेनोग्राफर की भूमिका निभा रही हूं। इस किरदार के लिए मुझे टाइपिंग और स्क्रीन के सामने लगातार काम करते हुए दिखना था। कई बार कैमरे में लैपटॉप का कीबोर्ड ही नजर नहीं आता था, इसलिए मेरा पूरा ध्यान टाइपिंग से ज्यादा अभिनय और भावनाओं को सही तरीके से दिखाने पर होता था।''

उन्होंने कहा, ''आज के समय में लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स का इस्तेमाल करता है, इसलिए कंप्यूटर पर काम करना मेरे लिए नया अनुभव नहीं था। किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए मुझे टाइपिंग स्पीड पर थोड़ा ध्यान देना पड़ा और उसी दौरान चेहरे के एक्सप्रेशन भी बनाए रखने होते थे।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इस रोल के लिए मुझे ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करनी पड़ी। इस किरदार में सबसे अहम चीज भावनाओं को सही तरीके से दिखाना था।''

बेटे, पति और पिता की जिम्मेदारियों पर बोले सैफ अली खान

सैफ अली खान से पूछा गया कि क्या एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाए? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है ।

'हम तुम' और 'दिल चाहता है' के शहरी और दिलफेक आशिक से लेकर 'ओंकारा' के कुटिल लंगड़ा त्यागी और 'ताना जी' के क्रूर विलन तक। 'कल हो न हो' के चार्मिंग रोहित से लेकर 'सेक्रेड गेम्स' के गंभीर सरताज सिंह तक, सैफ अली खान ने अपने 33 साल लंबे करियर में खुद को वर्सेटाइल ऐक्टर साबित किया है। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर आई अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' में एक समर्पित ठेठ हरियाणवी पुलिसवाले के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि एक समय था जब एक डायरेक्टर ने सैफ को पुलिसवाले का गंभीर किरदार कभी न करने की हिदायत दी थी। यह खुलासा खुद सैफ ने हमसे खास बातचीत के दौरान किया।

गलती से भी कॉप जैसा रोल ना करना

वाकया सैफ की शुरुआती दौर की हिट फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' (1994) का है, जिसमें वह अक्षय के किरदार से पुलिसवाले के रोल के लिए ट्रेनिंग लेते हैं। बकौल सैफ, 'जब मैंने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की थी तो मेरे डायरेक्टर, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने कहा था कि गलती से भी कभी एक कॉप का रोल न करना। यह कॉमिडी फिल्म है तो निकल जाएगी लेकिन एक सीरियस कॉप का रोल अभी तुम नहीं कर पाओगे तो ये बड़ी अच्छी बात है और मुझे खुद पर गर्व है कि 20 या 25 साल के बाद मैं एक पुलिसवाले का रोल कर पाया (हंसते हैं)। इस फिल्म में पवन जिस तरह के दबाव में अपनी ड्यूटी निभाता है, जैसे अपनी दिक्कतों का समाधान ढूंढता है, वो आसान नहीं है। उसकी फिलॉसफी भी रोचक है। असल में वह हीरो है।'

ओंकारा बहुत स्पेशल फिल्म थी

'कर्तव्य' का ठेठ हरियाणवी कॉप हो या 'ओंकारा' का देसी लंगड़ा त्यागी, सैफ की अदाकारी ऐसे किरदारों में ज्यादा निखरकर सामने आती है, जबकि निजी तौर पर इस दुनिया से उनका बिल्कुल राब्ता नहीं रहा। ऐसे किरदारों के प्रति अपने अप्रोच के बारे में वह बताते हैं, 'यह थोड़ा मुश्किल होता है मेरे लिए। खासकर सोशल और कल्चरल बैकग्राउंड को लेकर जो छोटी-छोटी बारीकियां होती हैं। जैसे लंगड़ा त्यागी का जो भी बॉडी लैंग्वेज है, जैसे वो जोर-जोर से अपना सिर खुजाता है, वह मेरी अपनी बॉडी लैंग्वेज से बिल्कुल अलग है। मैं वैसे कभी सिर नहीं खुजाऊंगा। उसका अंदाज काफी वाइल्ड है, मगर उसी में मजा है कि ऐसा इंसान भी हो सकता है। बतौर ऐक्टर ये चीजें इंट्रेस्टिंग होती है।' वहीं, 'ओंकारा' के अनुभव को याद करते हुए वह कहते हैं, 'ओंकारा बहुत ही स्पेशल फिल्म थी। उसमें सबका उत्साह अलग था। विशाल भारद्वाज (डायरेक्टर) ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और मेनस्ट्रीम कमर्शल फिल्म ऐक्टर्स को एक छत के नीचे लाकर साथ में काम करवाया जो बहुत ही कमाल का अनुभव था। हम सबने एक दूसरे से काफी कुछ सीखा। एक तरह से वो बहुत ही बढ़िया वर्कशॉप था।

बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए बढ़ावा देता हूं

सैफ के बच्चे सारा और इब्राहिम अली खान भी अब ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस भावी पीढ़ी को ऐक्टिंग की उनकी विरासत को आगे बढ़ाते देखने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'एक पिता के रूप में मैं बहुत खुश हूं कि वे काम करना चाहते हैं। मैं उन्हें पूरी तरह सपोर्ट करता हूं। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए बढ़ावा देता। खुद पर काम करने की सीख देता हूं क्योंकि सबसे जरूरी चीज है लगातार आगे बढ़ते रहना, कोशिश करते रहना और खुद को बेहतर बनाते रहना, जैसा कि हम सभी करते हैं। क्या उनके भविष्य को लेकर वह फिक्रमंद भी होते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'बिल्कुल। हर माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य और उनकी खुशियों की फिक्र रहती है।' वहीं, एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाएं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है कि काश यहां ये कर लेता तो मैं बेहतर हो सकता था। उसके लिए वो कर देता तो बेहतर हो सकता था। एक कोशिश हमेशा होती है कि अच्छी तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाऊं।

चित्रकला में मोहित, स्लोगन में आदित्य ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी की ओर से जिला पंचायत सभागार पौड़ी में शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस को लेकर सीनियर सिविल जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नाजिश कलीम की अध्यक्षता में जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जी.आई.सी. पौड़ी के छात्र-छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता व स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में दिव्यांशु रावत, रूबीना रावत, निबंध प्रतियोगिता में दिव्यांशु रावत, प्रियांशी, चित्रकला प्रतियोगिता में मोहित, कार्तिक कुमार, स्लोगन प्रतियोगिता में आदित्य बिष्ट, निशा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने तम्बाकू निषेध तथा इससे शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि आज हमारे देश में युवा वर्ग सबसे अधिक तम्बाकू सेवन और नशे की ओर बढ़ रहा है। कहा कि शिक्षण संस्थानों में बच्चे अपना भविष्य बनाने आते हैं, इसलिए बच्चों को अपने व्यक्तित्व को मजबूत करने की आवश्यकता है। कई बार बच्चे तम्बाकू व नशे जैसे दलदल में फंस जाते है, इसलिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी तम्बाकू और नशे जैसी चीजों के सेवन से दूर रहे। उन्होंने कहा कि बाजार में तंबाकू उत्पादक कंपनियों का काम केवल पैसा कमाना है, लेकिन छात्रों को अच्छी और बुरी चीजों में फर्क करना है। कहा कि तंबाकू या धूम्रपान से व्यक्ति स्वंय तो रोग का शिकार होता है उसके साथ ही उसके आस-पास के लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने कहा कि तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने और और इसे छोड़ने की पहल प्रत्येक व्यक्ति को स्वंय से करनी चाहिए। कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से तंबाकू निषेध को लेकर समय समय पर विभिन्न स्थानों में जागरुकता कार्यक्रम संचालित किये जाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि तम्बाकू सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, जिससे हमारे शरीर में विभिन्न प्रकार की घातक बिमारियां हो सकती हैं, इसे छोड़ने के लिए बस एक मजबूत फैसले की जरुरत है। यदि किसी व्यक्ति को तम्बाकू या नशे की लत हो गयी है तो उसे प्यार, सहयोग व सहानुभूति से उसे इस दलदल से बाहर निकाला जा सकता है। समय रहते तंबाकू से होने व दुष्प्रभाव समझें और इनसे दूर रहें। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अलीशा, उप प्रधानाचार्य आर.पी. डोबरियाल, पी.सी. जोशी, संजय असवाल एस.आई. कोतवाली पौड़ी, एन.सी.डी. कंसल्टेंट श्वेता गुसाईं, दिनेश शाह, निम्मी कुकरेती, मनमोहन देवली, आशीष रावत, दुर्गा नेगी आदि मौजूद थे।

तम्बाकू छोड़ चुके तीन व्यक्तियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में सिविल जज श्रीमती नाजिश कलीम ने कहा कि केवल एक दिन दिवस मनाने से नही बल्कि प्रत्येक दिन तम्बाकू उत्पादों का निषेध कर इस दिवस की परिकल्पना पूर्ण हो सकती है। तंबाकू व्यक्ति नही पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने मौजूद प्रतिभागियों को तम्बाकू निषेध दिवस पर शपथ दिलाने के साथ ही हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में तम्बाकू छोड़ चुके 3 व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय में नए विषयों के संचालन की मांग

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज में विभिन्न विषयों की शुरुआत की मांग को लेकर छात्रों व अभिभावकों ने शासन से शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है। मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।पुरोला महाविद्यालय में संस्कृत, गृह विज्ञान, चित्रकला, संगीत और भूगोल जैसे विषयों की शुरुआत की मांग लंबे समय से की जा ही है। अभिभावक संघ अध्यक्ष गिरवीर सिंह रावत ने कहा कि पुरोला, मोरी, नौगांव और आसपास के क्षेत्र के इंटर कॉलेजों में वर्तमान समय में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं इन विषयों का अध्ययन कर रहे हैं। इंटरमीडिएट के बाद इन विषयों में उच्च शिक्षा की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध न होने से विद्यार्थियों को देहरादून, विकासनगर और अन्य शहरों की ओर जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि महाविद्यालय में इन विषयों का संचालन शुरू किया जाता है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा।

नहर में पानी नहीं, सूख गई धान की क्यारियां

उत्तरकाशी। जनपद के धनारी गांव के पांच गांव के ग्रामीणों की सिंचाई नहर विभाग की लापरवाही के कारण बदहाल पड़ी है। हिटाणु नहर क्षतिग्रस्त होने पानी नहीं चल रहा है। इससे काश्तकारों की धान की क्यारियां सूखने के कगार पर है। साथ ही नहर की दो गूलों पर ग्रामीण स्वयं श्रमदान कर उसको ठीक कर रहे हैं। ग्रामीणों ने दो दिन में नहर में पानी शुरू नहीं करने पर कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। समस्या को लेकर धनारी के गवाणा, भाट गांव, दयूली, पुजार गांव, पुरियाल गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रशांत आर्य से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की हिटाणु नहर गत वर्ष मानसून सीजन में क्षतिग्रस्त हो गई थी लेकिन सिंचाई विभाग की ओर से नहर की स्थिति सुधारने के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासी सुरेंद्र पंवार ने कहा कि इस वर्ष धान की क्यारियों को काश्तकारों ने वैकल्पिक पानी की व्यवस्था कर बोया लेकिन अब उसकी सिंचाई के लिए पानी ही नहीं है। इससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। क्योंकि धनारी क्षेत्र में सबसे अधिक धान की खेती होती है। ग्रामीण इन नहर के दो गुलों पिलघाली और घराट गूल की सुधारीकरण श्रमदान के माध्यम से कर रहे हैं। इस संबंध में कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायत की लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बुलाकर दो दिन के भीतर नहर में पानी शुरू करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

क्षमता से अधिक भार, सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के बढ़ते दबाव के बीच गंगोत्री नेशनल हाईवे पर स्थित गंगोरी बैली ब्रिज पर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। अस्सी गंगा नदी पर बना यह महत्वपूर्ण पुल इन दिनों क्षमता से अधिक भार और लगातार लग रहे जाम के कारण जोखिम में बताया जा रहा है। करीब 70 टन भार क्षमता वाले इस पुल से एक साथ दो–दो भारी वाहन गुजर रहे हैं। वहीं पुल पर घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें लगने से उस पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी भारी वाहनों की आवाजाही के चलते पुल को नुकसान पहुंच चुका है लेकिन इसके बावजूद निगरानी और यातायात नियंत्रण को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। सबसे अहम बात यह है कि पुल के पास पुलिस चौकी मौजूद होने के बावजूद निगरानी की जिम्मेदारी होमगार्ड कर्मियों के भरोसे चल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। गंगोरी बैली ब्रिज गंगोत्री धाम, भारत–चीन सीमा क्षेत्र और भटवाड़ी ब्लॉक के करीब 80 गांवों के लिए बेहद महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। ऐसे में पुल को किसी प्रकार का नुकसान होने पर चारधाम यात्रा के साथ सीमांत क्षेत्रों की आवाजाही भी प्रभावित हो सकती है।

अग्निपीड़ि0त परिवार को मिली आर्थिक सहायता

उत्तरकाशी। उत्तरांचल देवी आपदा पीड़ति सहायता समिति, केशवपुरी मनेरी की ओर से गोरशाली गांव में अग्निपीड़ति परिवार को 11 हजार रुपये की नगद सहायता प्रदान की गई। समिति के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने पीड़ति परिवार के घर पहुंचकर आर्थिक सहयोग सौंपा। इसके साथ ही हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। 27 मई को गोरशाली गांव निवासी देवेंद्र सिंह रावत का आवासीय भवन भीषण अग्निकांड में पूरी तरह जलकर राख हो गया था। हादसे में घर में बंधी उनकी दो गायों की भी दर्दनाक मौत हो गई थी। इससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। समिति के स्वयंसेवकों ने प्रशासन से पीड़ति परिवार को जल्द उचित मुआवजा व राहत उपलब्ध कराने की मांग की। इस अवसर पर सूरत राम नौटियाल, भागीरथ सेमवाल, कमलेश्वर रतोड़ी, चतर चौहान, समदर्शी, माधव, हिकमत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जनपद में बनाया जाएगा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल

चमोली। गृह सचिव शैलेश बगौली ने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार देर शाम कोतवाली गोपेश्वर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली में फॉरेंसिक जांच प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ऑनलाइन एवं डिजिटल साक्ष्यों के बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक ढांचा विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही जनपद में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल बनाया जाएगा, जिससे पुलिस कर्मियों को विवेचना संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए अन्य जनपदों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। निरीक्षण के दौरान गृह सचिव ने अपराध एवं आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली और इंटर–ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के प्रभावी उपयोग पर दिशा–निर्देश दिए। साथ ही जनमैत्री पुलिसिंग को मजबूत बनाने के लिए जीरो एफआईआर, ई–एफआईआर, शिकायतों के समयबद्ध पंजीकरण एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की समीक्षा की। इस मौके पर विशेष सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, एसडीएम राजकुमार पांडे, पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा, ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी विपुल कुमार पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बरसात की तैयारियों में जुटा विभाग

चमोली। बरसात में आवागमन बाधित न हो इसके लिए लोनिवि थराली से तैयारी शुरू कर दी है। यहां लगी हुई ओडर, सुपलीगाड़ और हरमनी ट्रॉली के संचालन के लिए विभाग ने निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। बरसात के चार माह ग्रामीण इन ट्रॉलियों से आवागमन करते हैं जबकि पानी घटने पर अस्थायी पुलिया के सहारे आवागमन होता है।पिंडरघाटी आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। वर्ष 2013 की आपदा में यहां पुल, झूला पुल सहित अन्य संपतियां बह गई थी। इनमें ओडर, हरमनी और सुपलीगाड़ के पुल भी थे। विभाग ने यहां तब हाईड्रोलिक ट्रालियों की व्यवस्था आवागमन के लिए की। जो अब भी बरसात में चल रही हैं। यहां चार माह बरसात में ग्रामीण इन ट्रालियों के साथ आवागमन करते हैं जबकि नदियों में पानी घटने पर अस्थायी पुलिया के सहारे आवागमन होता है। हालांकि हरमनी में विभाग ने ट्राली से 100 मीटर की दूरी पर पुल बनाया है लेकिन बरसात में पुल तक पहुंचने वाले मार्ग पर नाला आने के चलते यहां ट्राली का सहारा ग्रामीणों को लेना पड़ता है जबकि ओडर में पुल निर्माणाधीन है। लोनिवि के एई जेके टम्टा तीनों ट्रालियों के संचालन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सांस्कृतिक कार्यशाला का हुआ समापन

चमोली। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला (संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार) की ओर से जीआईसी ल्वाणी में 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। जागर गायिका पद्मश्री बसंती बिष्ट ने बतौर मास्टर ट्रेनर के रूप में झोड़ा, चाचड़ी, बीर नृत्य, पांडव नृत्य, मांगल गीत, जागर का प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहायक निदेशक जनरैल सिंह ने कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे 42 प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लुप्त होती सांस्कृतिक धरोहरों को फिर से जीवित करना है।

सोशल मीडिया के दौर में सही और फेंक न्यूज की पहचान करना मुश्किल

नई टिहरी। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर न्यू टिहरी प्रेस क्लब में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि समय के साथ नई तकनीकि विकसित हो रही है। सोशल मीडिया के दौर में हर व्यक्ति पत्रकार की भूमिका निभा रहा है लेकिन कई बार इसमें सही और फेंक न्यूज की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। तकनीकी के दौर में भी मेन स्ट्रीम मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।हिंदी पत्रकारिता दिवस सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता की चुनौतियां विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस प्रदेश चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि समय के साथ तकनीकी बदल रही है। पहले खबर छपने में दो–तीन दिन लग जाते थे। अब खबर तेजी से वायरल हो जाती है। बावजूद तथ्यात्मक खबर के लिए मेन स्ट्रीम मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। पूर्व मंत्री ने पत्रकारों को सम्मानित किया।

विशिष्ठ अतिथि प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में लोग चलते–फिरते अपडेट रहते हैं लेकिन कई बार खबरों को लेकर भ्रम की स्थिति बन जाती है। सोशल मीडिया में सनसनीखेज खबर ज्यादा प्रसारित होती है लेकिन समस्या वाली खबर पीछे रह जाती है।

सचिव ने मरीजों से संवाद कर दिए निर्देश

नई टिहरी। शनिवार को राजस्व परिषद आयुक्त व सचिव रंजना राजगुरु ने डीएम नितिका खंडेलवाल के साथ जिला अस्पताल बौराड़ी में संचालित आयुष और होम्योपैथी चिकित्सालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को दी जाने सेवाओं का जायजा लेते हुए बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने योग कक्ष, पंचकर्म चिकित्सा कक्ष का अवलोकन कर मरीजों से संवाद किया। मरीजों ने इन सेवाओं के विस्तार की अपेक्षा की जिससे उन्हें कही बाहर न जाना पड़े। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिद्धि मिश्रा ने आयुक्त को पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत संचालित विभिन्न उपचार पद्धतियों जलौका चिकित्सा, कटि वस्ति, जानु वस्ति, शिरोधारा, मर्म चिकित्सा, क्षारसूत्र चिकित्सा, सर्वांग स्वेदन, नाड़ी स्वेद, धारा चिकित्सा की जानकारी दी। विभाग में आवश्यक उपकरणों व संसाधनों के संबंध में आयुक्त ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मानसून की पहली ही बौछार में ही बह गई एनएच श्रीनगर की तैयारी

नई टिहरी। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड श्रीनगर की लापरवाही नई टिहरी–भागीरथीपुरम मोटर मार्ग की व्यवस्थाओं पर भारी पड़ रही है। सड़क किनारे बनी नालियों की सफाई नहीं होने से बारिश का पानी मुसीबत बनता जा रहा है। जगह–जगह नालियां बंद होने से बारिश का पानी सड़क पर बह रहा है। सड़क किनारे स्थित घरों और दुकानों में पानी घुस रहा है।नई टिहरी से भागीरथीपुरम तक लगभग 15 किमी इस मोटर मार्ग पर बारिश के पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। नई टिहरी से भागीरथीपुरम तक कई स्थानों पर नालियों में मलबा और गाद जमा होने से बारिश का पानी सड़क पर उतर रहा है। ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त नहीं होने के कारण जगह–जगह जमा होकर मलबा साथ ला रहा है। इससे सड़क पर कीचड़ और मलबा फैलने से वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।पागरखाल और चौकलियाचैक में गदेरों से आया मलबा सड़क पर जमा पड़ा है। जिससे सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होने से पहले यदि नालियों की सफाई कर ली जाती तो ऐसी नौबत नहीं आती। अब बारिश का पानी नालियों से निकासी न मिलने पर सीधे सड़क पर बह रहा है, जिससे सड़क के किनारे बने पुश्ते और सुरक्षा दीवारें भी कमजोर पड़ने लगी है। सड़क किनारे जमा मलबे के कारण संकरी हो रही सड़क पर वाहनों की आवाजाही जोखिमभरी होती जा रही है। नई टिहरी–भागीरथीपुरम मोटर मार्ग पर बंद नालियों की जल्द सफाई कराई जाएगी। जहां नालियां क्षतिग्रस्त हैं वहां मरम्मत कार्य भी शुरू किया जाएगा ताकि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु हो सके।

मूसलाधार बारिश से भारी तबाही, महिला घायल, पेयजल–बिजली व्यवस्था ठप

चमोली। नारायणबगड़ क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम हुई मूसलाधार बारिश और गाड–गदेरों में आए जलसैलाब ने व्यापक तबाही मचाई। अतिवृष्टि के कारण एक महिला घायल हो गई, पेयजल योजना की पाइपलाइन बह गई, 10 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई और कई संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मूसाउडियार और बूंगा गांव को जोड़ने वाली पैदल पुलिया भी उफनते गदेरे में बह गई। प्रशासन और संबंधित विभाग क्षति की भरपाई तथा व्यवस्थाओं को बहाल करने में जुटे हुए हैं। बारिश के दौरान उफनाए नाले की चपेट में आकर किमोली गांव की बीरा देवी घायल हो गई थीं। उनका उपचार श्रीनगर के बेस अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। उनकी बेटी रूही को प्राथमिक उपचार के बाद शुक्रवार शाम को ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

अतिवृष्टि से जल जीवन मिशन के तहत नारायणबगड़ बाजार और केवर तल्ला गांव के लिए बनाई गई पेयजल योजना को भी भारी नुकसान पहुंचा है। योजना की करीब 20 मीटर लंबी पाइपलाइन बह जाने से दोनों क्षेत्रों में पेयजल संकट गहरा गया है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बारिश के दौरान हाईटेंशन विद्युत लाइन पर पेड़ गिरने से बेडूला, चिरूना, नैणी, मूसाउडियार, स्वान तल्ला–मल्ला, बुआरकोट, आगर, बूंगा और किमोली सहित 10 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति शुक्रवार शाम से बाधित है। विद्युत व्यवस्था को सुचारु करने के लिए यूपीसीएल के कर्मचारी शनिवार सुबह से मरम्मत कार्य में जुटे रहे, लेकिन देर शाम तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। नैणी गांव के रमेश नैनवाल ने बताया कि मूसाउडियार और बूंगा गांव को जोड़ने वाली पैदल पुलिया गदेरे में आए तेज उफान की भेंट चढ़ गई है। इसके अलावा अधिकांश गांवों के संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण कई स्थानों पर भारी मात्रा में मलबा आने से नारायणबगड़–किमोली मोटर मार्ग भी अवरुद्ध हो गया था।

बजट के अभाव में दम तोड़ रहा लामकांडे का सरकारी स्कूल

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के सकलाना पट्टी के लामकांडे गांव के प्राथमिक विद्यालय भवन के दरवाजे, खिड़की और चहारदीवारी क्षतिग्रस्त होने से छात्र–छात्राओं के लिए खतरा बना है। साथ ही विद्यालय में चोरी का खतरा भी बना रहता है।लामकांडे गांव के ग्राम प्रधान दिनेश सिंह रावत ने बताया गांव में वर्ष 2000 के आसपास गांव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन का निर्माण हुआ था। लंबा समय बीतने के बाद विद्यालय के कमरों और बरामदे का फर्श उखड़ने से जगह–जगह गड्ढे बने हैं। साथ ही खिड़की, दरवाजे भी टूट गए है। रसोई घर और शौचालय की स्थिति भी मरम्मत के अभाव में जर्जर बनी है। विद्यालय की चहारदीवारी और खेल मैदान की स्थिति भी खराब होने के कारण छात्रों को खेलने में परेशानी होती है। वर्तमान में विद्यालय में गांव के 22 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित होता है। खिड़की और दरवाजे खराब होने से विद्यालय में रखे समान के चोरी होने का डर भी बना रहता है। रसोई घर की स्थिति जर्जर स्थित होने से भोजन माता को खाना बनने में दिक्कत होती है।

शौचालय की स्थिति भी खराब बनी है। ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाई गई है लेकिन पैसा नहीं मिलने के कारण मरम्मत कार्य नहीं हो पाया है। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कार्की का कहना कि ग्राम प्रधान या अन्य किसी के माध्यम से विद्यालय के मरम्मत का प्रस्ताव उनके पास आया होगा तो उनके स्तर से शीघ्र ही प्रस्ताव को उच्चाधिकारियों और शासन को भेज दिया जाता है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का निरीक्षण करते हुए पत्रावलियों के रख–रखाव तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने न्याय अनुभाग, राजस्व अनुभाग, बिल अनुभाग, आंग्ल अभिलेख कक्ष एवं भूलेख कक्ष सहित विभिन्न शाखाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पटल प्रभारियों को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छह वर्षीय बच्चे के गले में फंसा सिक्का, जटिल ऑपरेशन से निकाला

चमोली। जिला अस्पताल गोपेश्वर में चिकित्सकों ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलता पूर्वक करते हुए छह वर्षीय बच्चे के गले में फंसे सिक्के को बाहर निकाल लिया। बच्चा अब पूरी तरह से सुरक्षित है। मंडल घाटी के खल्ला निवासी छह वर्षीय सुशांत पुत्र राकेश को सांस लेने और खाना खाने में दिक्कत हो रही थी। परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल लेकर आए। ईएनटी सर्जन डॉ. दिग्विजय वंडकर ने एक्सरे जांच की तो बच्चे के गले में सिक्का फंसा मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉ. दिग्विजय, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट नेहा चौहान, नर्सिंग अधिकारी गौतम हिंदवाल, टीनू रानी ने तत्काल ऑपरेशन की तैयारी की। चिकित्सकों ने एंडोस्कोपिक प्रक्रिया से सावधानीपूर्वक गले में फंसे सिक्के को बाहर निकाल लिया। बच्चे की स्थिति सामान्य है। बच्चे के स्वस्थ होने पर परिजनों ने भी राहत की सांस ली। फिलहाल बच्चा चिकित्सकों की निगरानी में है।

सोमनाथ मैदान में 1170 अग्निवीरों ने ली शपथ, भारतीय सेना का बने हिस्सा

अल्मोड़ा, रानीखेत के ऐतिहासिक सोमनाथ मैदान में आयोजित भव्य समारोह में 1170 अग्निवीरों ने राष्ट्र सेवा और देश की रक्षा की शपथ लेकर भारतीय सेना में अपना औपचारिक प्रवेश किया। समारोह के दौरान पूरा मैदान भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। छह माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद अग्निवीरों ने अंतिम पग भरते हुए सेना के जीवन में प्रवेश किया। बहादुरगढ़ द्वार से कदमताल करते हुए जब अग्निवीर समारोह स्थल पहुंचे तो वहां मौजूद अभिभावकों और नागरिकों में उत्साह का माहौल बन गया। धर्म गुरुओं ने सभी अग्निवीरों को देश की रक्षा और कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए कुमाऊं रेजिमेंटल सेंटर (केआरसी) के कमांडेंट ब्रिगेडियर विजयंत महादिक ने अग्निवीरों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेना में भर्ती होकर देश सेवा का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने पुत्रों को सेना को समर्पित करने वाले अभिभावक भी सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने अग्निवीरों से अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देश सेवा करने का आह्वान किया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में कुमाऊंरेजिमेंटल सेंटर के अधिकारी, अग्निवीरों के अभिभावक तथा बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित रहे।

सल्ट में खाई में गिरा डंपर, चालक की मौत

अल्मोड़ा। जिले के सल्ट क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चालक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाकर चालक को खाई से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार रात करीब 11:30 बजे डीसीआर के माध्यम से सूचना मिली कि महरौली क्षेत्र के पास एक डंपर दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गया है। सूचना पर पुलिस टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। बताया गया कि डंपर संख्या यूके04 सीबी–1327 मौलेखाल से रुडोली की ओर जा रहा था। चित्तौड़गढ़ के पास वाहन अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना के समय डंपर खाली था। हादसे में 28 वर्षीय रमेश चंद्र रेखाड़ी पुत्र गोपाल दत्त रेखाड़ी निवासी बासौली, सल्ट गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे खाई से बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस की सहायता से देवायल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को जिले में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा रहा। इससे पहले हवालबाग विकासखंड के गधोली क्षेत्र में एक ट्रैक्टर ट्रॉली के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई थी। इन दोनों घटनाओं में एक ही दिन में तीन लोगों की जान चली गई।

तंबाकू से होने वाली बीमारियों से कराया अवगत

चमोली। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर स्वास्थ्य विभाग चमोली की ओर से टाटा स्ट्राइव एक्सटेंशन सेंटर रौली ग्वाड़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तंबाकू से होने वाली बीमारियों कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग सहित अन्य गंभीर बीमारियों की जानकारी दी गई। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्ण ने सभी से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, तंबाकू सेवन से दूर रहने की अपील की। सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि तंबाकू सेवन से न सिर्फ व्यक्ति बल्कि परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग से संजीव बुटोला, जिला बाल कल्याण समिति से शांति राणा, , ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विवि से किरन, टाटा स्ट्राइव संस्था के प्रभारी प्रबंधक विनोद कररकी आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं हैं। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा । आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

-ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप , रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली । आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं - ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है। वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये। वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है। मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है।

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान

-सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ है। इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान घबरा गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

न्यू चंडीगढ। आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे। शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

-कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं।